सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 242 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 23 दिसम्बर, 2023
मूल्य ₹ 3/-

न्यूजीलैंड पर बांग्लादेश की ऐतिहासिक... 7

लोस चुनाव की रणभेरी में देरी पर... 3

जगन सरकार की उल्टी गिनती... 2

मैंने एक बार पढ़ा था कि जो लोग दूसरों को पढ़ते हैं वो बुद्धिमान होते हैं, लेकिन जो खुद को पढ़ते हैं वो प्रबुद्ध होते हैं।

-रॉबिन शर्मा

लोकसभा चुनाव से पहले केजरीवाल सरकार पर एक और घोटाले की आंच

प्रशिक्षण में फेल हुईं आप सरकार द्वारा खरीदी गई दवाएं

» दिल्ली की आप सरकार पर अब 'दवा घोटाले' का आरोप

» एलजी विनय सक्सेना ने दिए मामले में सीबीआई जांच के आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में 2024 के लोकसभा चुनावों को लेकर सियासी हलचल काफी तेज हो गई। सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी गोटियां सेट करने में जुट गए हैं। लेकिन इस बीच नई नवेली राजनीतिक पार्टी अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार की मुश्किलें कम होने का नाम ही नहीं ले रही हैं। जितना-जितना 2024 का लोकसभा चुनाव करीब आता जा रहा है, उतना ही केजरीवाल की पार्टी और दिल्ली में उनकी सरकार की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। अब एक बार फिर दिल्ली की केजरीवाल सरकार मुश्किलों में घिर रही है और एक बार फिर उसके सामने दिल्ली के उपराज्यपाल विनय सक्सेना खड़े हो गए हैं। दिल्ली सरकार पर अब दवा घोटाले का आरोप लगाया जा रहा है।

दरअसल, दिल्ली के उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने एक और मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो यानी सीबीआई को जांच के आदेश दिए हैं। जानकारी के मुताबिक, एलजी विनय सक्सेना ने दिल्ली सरकार द्वारा अस्पतालों के लिए खरीदी गई दवाइयों के मामले में जांच के आदेश दिए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक लोगों की शिकायतों पर आप सरकार के अस्पतालों ने बेतरतीब ढंग से दवाइयां खरीदी। ये दवाइयां सरकारी और निजी परीक्षण प्रयोगशालाओं में परीक्षण के दौरान फेल पाई गई हैं।

सरकारी अस्पतालों में अप्रामाणिक दवाएं आपूर्ति का आरोप

शुरूआती जानकारी के अनुसार, सीएम अरविंद केजरीवाल सरकार द्वारा खरीदी गई

» आप सरकार ने लोगों की शिकायतों पर की दवाओं की खरीद

अप्रामाणिक दवाओं को लेकर एलजी ने ये आदेश दिए हैं। लोगों की शिकायतों पर आप सरकार ने अस्पतालों के लिए बेतरतीब तरीसे से दवाओं की खरीद की थी। लेकिन ये दवाएं सरकारी और निजी परीक्षण प्रयोगशालाओं में टेस्ट के दौरान मापदंडों को पूरा करने में विफल साबित हुई हैं।

दिल्ली आबकारी नीति में भी ईडी भेज चुकी है समन

इससे पहले सीएम अरविंद केजरीवाल को कुछ दिनों पहले प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली आबकारी नीति मामले में दूसरी बार समन जारी किया था। ईडी ने सीएम से इस मामले में पूछताछ के लिए दफ्तर में

» सीएम ने ईडी के समन को बताया था गैर कानूनी

पेश होने को कहा था। इसके जवाब में दिल्ली के सीएम ने ईडी के समन को पहली बार की तरह गैर कानूनी करार दिया था। उन्होंने का था कि मुझे ईडी किस हैसियत से पूछताछ के लिए बुलाना चाहती है, पहले यह स्पष्ट करे। इस सवाल का जवाब ईडी ने मुझे अभी तक नहीं दिया है। इसके बाद ईडी ने केजरीवाल को तीसरा समन भी जारी कर दिया है। बता दें कि वर्तमान सीएम अरविंद केजरीवाल पंजाब के होशियारपुर में विपश्यना ध्यान योग में लीन हैं।

लैंड फॉर जॉब स्कैम: तेजस्वी को ईडी का नया समन

» अब 5 जनवरी को पूछताछ के लिए बुलाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रेलवे में नौकरी के लिए जमीन लेने के चर्चित लैंड फॉर जॉब घोटाला मामले में बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव को ईडी ने एक बार फिर समन जारी किया है। प्रवर्तन निदेशालय की ओर से पूछताछ के लिए तेजस्वी यादव को दफ्तर बुलाया गया है। अब उन्हें अगले साल 5 जनवरी को कार्यालय में हाजिर होने के लिए कहा गया है। इससे पहले 22 दिसंबर को तेजस्वी को बुलाया गया था लेकिन तेजस्वी पूछताछ के लिए नहीं पहुंचे। वहीं इस मामले में उनके पिता लालू यादव को भी ईडी की ओर से समन भेज कर 27 दिसंबर को बुलाया गया है।

लैंड फॉर जॉब केस की जांच कर रही एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय ने आज तेजस्वी यादव को फ्रेश समन जारी किया। उनसे कहा गया है कि 5 जनवरी को दिल्ली स्थित ईडी के मुख्यालय में उपस्थित होकर पूछताछ में सहयोग करें। जांच एजेंसी डिप्टी सीएम से 2004 से 2009 के बीच रेलवे में कई लोगों को जमीन लेकर नौकरी देने के मामले में पूछताछ करेगी।

कोर्ट ने स्वीकारी तेजस्वी की विदेश जाने की अनुमति मांगने वाली याचिका

दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव की विदेश यात्रा करने की याचिका सुनवाई के लिए स्वीकार कर ली है। उन्होंने कोर्ट से अगले साल छह से 18 जनवरी तक ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्रा करने की अनुमति मांगी है। गौरतलब है कि अक्टूबर में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद प्रमुख लालू यादव, बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी, बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव और राजद सांसद मीसा भारती को राहत मिली है। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने कथित जमीन के बदले नौकरी घोटाला मामले में चारों को जमानत दे दी थी।

पहलवानों के मामले पर बोले जयंत चौधरी

गलत हुआ, खिलाड़ियों को हिम्मत रखनी चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की आज 23 दिसंबर को जयंती मनाई जा रही है। इस मौके पर देश के तमाम नेता उन्हें याद कर रहे हैं। इस बीच अब रालोद प्रमुख जयंत चौधरी ने भी चौधरी चरण सिंह की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान जयंत चौधरी ने कई मुद्दों पर अपनी राय भी रखी। इसी क्रम में जयंत ने महिला पहलवानों को लेकर भी अपनी प्रतिक्रिया दी है।

बृजभूषण सिंह के करीबी संजय सिंह के कुश्ती संघ के अध्यक्ष का चुनाव जीतने पर पहलवान साक्षी मलिक द्वारा संन्यास का एलान करने पर भी जयंत ने कहा कि इससे देश का बड़ा नुकसान हुआ है और हानी पहुंची है। चुनाव से खिलाड़ियों को मायूसी हुई है। चुनावों में फिर से वही लोग जीत कर आ गए हैं। लेकिन खिलाड़ियों को हिम्मत रखनी चाहिए। वहीं निलंबित किए गए विपक्षी सांसदों के मामले पर आरएलडी चीफ ने कहा कि संसद में सरकार चर्चा से बच रही है। उसे ऐसा नहीं करना चाहिए।

खरगे ने धनखड़ को सांसदों के निलंबन पर लिखा पत्र, कहा-

यह लोकतंत्र के लिए हानिकारक

» कांग्रेस अध्यक्ष बोले- उम्मीद है सभापति धनखड़ विपक्ष की चिंताओं का रखेंगे ध्यान

» विपक्ष इस मामले पर चर्चा को तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को पत्र लिखा है। इस पत्र में कांग्रेस अध्यक्ष ने सांसदों के निलंबन का मुद्दा उठाते हुए कहा कि इतने बड़े पैमाने पर सांसदों का निलंबन भारत के संसदीय लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के लिए हानिकारक है। उन्होंने धनखड़ को लिखे पत्र में कहा कि वह इतने अधिक सांसदों के निलंबन से दुखी और व्यथित हैं।

कांग्रेस नेता ने राज्यसभा के सभापति पर भरोसा जताते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह विपक्ष की चिंताओं को ध्यान में रखेंगे। उन्होंने धनखड़ से आपसी सहमति से तय तारीख पर उनके साथ इस मामले पर चर्चा करने और उनकी चिंताओं का समाधान करने का भी आग्रह किया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि इतने बड़े पैमाने पर सदस्यों का निलंबन हमारे संसदीय लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के लिए हानिकारक है। सदस्यों का निलंबन देखना दर्दनाक, पीड़ादायक, निराशाजनक और हताश करने वाला था। उन्होंने कहा कि वह एक जिम्मेदार विपक्षी नेता के रूप में संवाद और चर्चा को बढ़ावा देने में दृढ़ता से विश्वास करते हैं, जो संसदीय लोकतंत्र का मूलभूत स्तंभ है। खरगे ने कहा कि मैं आपके ध्यान में लाना चाहूंगा कि संसद की सुरक्षा में सेंध के गंभीर मुद्दे पर बात करने के लिए राज्यसभा के नियमों और प्रक्रिया के तहत कई नोटिस पेश किए गए थे।

विपक्षी नेताओं को बोलने नहीं दिया गया

खरगे ने आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्षी दल इस मामले पर सार्थक चर्चा करने के लिए तैयार थे। अफसोस की बात है कि न तो इन नोटिस को स्वीकार किया गया और न ही विपक्ष के नेता के रूप में मुझे या विपक्षी दलों के किसी अन्य सदस्य को सदन में एक या दो मिनट के लिए भी बोलने की अनुमति दी गई। उन्होंने कहा कि सरकार का अपना तरीका होगा, लेकिन आप भी इस पर आसानी से सहमत होंगे कि विपक्ष को अपनी बात रखनी चाहिए। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि आप संसदीय लोकतंत्र के इस बुनियादी सिद्धांत का पालन करेंगे। खरगे ने इस बात पर जोर दिया कि विपक्षी दलों की स्पष्ट मांग है कि गृह मंत्री को संसदीय सुरक्षा में सेंध के महत्वपूर्ण मुद्दे और 13 दिसंबर को लोकसभा की दर्शक दीर्घा में दो घुसपैठियों के प्रवेश को संभव बनाने में सत्तारूढ़ पार्टी के सांसद की भूमिका के बारे में सदन को अवगत कराना चाहिए।

नियमों का उल्लंघन कर किया गया निलंबन

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यह मामला संसद और सांसदों के लिए गंभीर चिंता का विषय है और एक राष्ट्रीय सुरक्षा का महत्वपूर्ण मुद्दा भी है, लेकिन इस मांग को स्पष्ट रूप से नजर अंदाज कर दिया गया। इसके अलावा नियमों और प्रक्रिया का खुलेआम उल्लंघन करते हुए बड़ी संख्या में विपक्षी सांसदों का निलंबन हुआ। उन्होंने कहा कि इन चुनौतियों के बावजूद मैं खुली चर्चा और संवाद के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराना चाहता हूं। मैं इन चिंताओं को रचनात्मक तरीके से दूर करने के लिए निकट भविष्य में पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तारीख और समय पर आपके साथ बैठक करने के लिए तैयार हूं।

तमिलनाडु का अपमान कर रही हैं वित्तमंत्री : डीएमके

» पार्टी ने कहा- सीतारमण वाट्सएप यूनिवर्सिटी से ले रहीं ज्ञान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और तमिलनाडु सरकार के बीच जुबानी जंग छिड़ी हुई है। दरअसल, गुरुवार को वित्त मंत्री ने दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर तमिलनाडु के दक्षिणी जिलों में आई बाढ़ के लिए डीएमके सरकार पर कथित अक्षमता का आरोप लगाया था और बताया ता कि केंद्र सरकार ने बचाव और राहत कार्यों के लिए तुरंत सहायता पेश की थी। अब वित्त मंत्री के आरोप पर तमिलनाडु की डीएमके सरकार ने भी पलटवार किया है। डीएमके ने कहा है कि वित्त मंत्री वाट्सएप यूनिवर्सिटी से ज्ञान ले रही हैं।

वित्त मंत्री के आरोपों पर डीएमके के प्रवक्ता ए सर्वानन ने तंज कसते हुए कहा कि अगर निर्मला सीतारमण भाजपा नेता के तौर पर बोल रही हैं तो उन्होंने वाट्सएप यूनिवर्सिटी से जानकारी ली होगी, लेकिन अगर वह बतौर मंत्री बोल रही हैं तो फिर उनकी तथ्यों पर बिल्कुल भी पकड़ नहीं हैं। वित्त मंत्री के उस बयान पर भी डीएमके ने नाराजगी जाहिर की, जिसमें वित्त मंत्री ने कहा था कि केंद्र सरकार ने तमिलनाडु में बाढ़ से राहत और बचाव कार्यों के लिए हेलीकॉप्टर और एनडीआरएफ की टीमें तैनात की थी। इस पर डीएमके ने कहा है कि ऐसा करना केंद्र सरकार का कर्तव्य है। सरकार ऐसे जता रही है कि जैसे उसने किसी अन्य देश पर अहसान किया है। तमिलनाडु के वित्त मंत्री ने कहा कि निर्मला सीतारमण तमिलनाडु का अपमान कर रही हैं, उनकी भाषा ऐसी है जैसे वह युद्ध में किसी दुश्मन देश के लिए इस्तेमाल कर रही हैं।

चंद्रशेखर आजाद का बड़ा ऐलान

नगीना से लड़ेंगे लोस चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश में आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा के खिलाफ इंडिया गठबंधन एकजुट नजर आने लगा है। अब ऐसा दावा किया जा रहा है कि यूपी में इस गठबंधन की कमान समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के हाथ में होगी। लेकिन अब बीएसपी चीफ मायावती के बाद भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर आजाद भी गठबंधन से खुद को अलग करते नजर आ रहे हैं।

चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि हमारे नगीना से चुनाव लड़ना फाइनल है। हमारे आजाद समाज पार्टी के लोग ये चाहते हैं, उन्होंने नगीना लोकसभा सीट पर 3 बार अलग-अलग लोगों को चुना है। 2009 में यहां से समाजवादी पार्टी के लोगों को मौका मिला और उनके सांसद रहे। 2014 में बीजेपी के सांसद रहे, उनको मौका मिला। 2019 में सपा, आरएलडी और बीएसपी के सांसद रहे, उनको मौका मिला।

नहीं बनीं सड़कें व अस्पताल

भीम आर्मी चीफ ने कहास कि मैं पिछले बहुत दिन से घूम रहा हूं, जब आदमी बाजार आने के लिए मोटर साइकिल से निकलता है तो लगता है कि खेत में से काम करके आ रहा है। सड़कों का बुरा हाल है, नए कोई कॉलेज नहीं बने हैं और अस्पताल नहीं बने हैं। यहां कोई नया इंडस्ट्री प्लांट नहीं बना जिससे नौजवानों को रोजगार मिल जाता। किसानों की समस्या को कभी भी सत्र में नहीं पूछा गया। महंगाई और बेरोजगारी कमर तोड़ रही है। उन्होंने कहा कि यहां 26 लोगों की जान गुलदार के हमले से गई है, ये मामला सदन में चर्चा में आया था। जिसके परिवार में मौत हुई वो परिवार बेबस लाचार है, लेकिन कोई अधिकारी नहीं सुन रहा। यहां के जनता की ये मांग है कि यहां से कोई आवाज राष्ट्रीय स्तर पर लोगों की समस्या को उठाए। यहां लोगों को उम्मीद है कि कोई सांसद समस्याओं के लिए सदन में बोलेगा तो सरकार उसके प्रति जवाबदेह होगी, मैं यहां से बोलता हूं तो सरकार क्यों मेरी बात सुनेगी।

गिरिराज खुद अपने टिकट को लेकर चिंतित

» भाजपा सांसद के बयान पर बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने किया पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। नई दिल्ली से पटना लौटते समय प्लेन में लालू यादव से बातचीत को लेकर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के बयान के बाद बिहार की राजनीति में भूचाल मच गया है। इस मुद्दे पर डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने प्रतिक्रिया देते हुए गिरिराज सिंह के बयान का खंडन किया। तेजस्वी यादव ने कहा कि गिरिराज सिंह तो आज खुद अपने सरकार से चिंतित थे और उन्होंने अपनी सारी बातें हमें बताई। सच्चाई बात तो यह है कि गिरिराज सिंह जहां पर बैठे हुए थे उनके बगल में हम थे और उसके बाद लालू प्रसाद यादव बैठे हुए थे।

लैंडिंग के समय उन्होंने लालू यादव से कहा कि आप हमको मटन कब खिला रहे हैं तो लालू यादव ने कहा कि आप तो झटका मटन खाने वाले हैं। हम जब झटका मटन बनाएंगे तो आपको बुला लेंगे। यही बातें सिर्फ लालू यादव से हुई है बाकी बातें तो हमसे हुई है। बता दें कि पटना एयरपोर्ट पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा था कि दिल्ली से पटना आने के दौरान लालू यादव से हमारी बहुत कुछ बातें हुई हैं। लालू यादव तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं और उसके लिए वह ज्यादा चिंतित दिख रहे। इस पर मेरी बात हुई है। इस बयान के बाद बिहार की राजनीति गरमा गई है।

गिरिराज सिंह के बयान पर गरमाई राजनीति

गिरिराज का मानना केंद्र में सभी मंत्रियों की नहीं चलती : तेजस्वी

आगे तेजस्वी यादव ने कहा कि गिरिराज सिंह काफी चिंचित दिखे। उनको टिकट मिलेगा या नहीं मिलेगा? इस बात पर वह चिंता में थे। सार्वजनिक तौर पर तो हम सभी बातें को नहीं कह सकते हैं, लेकिन उनका यह मानना था कि केंद्र में सभी मंत्रियों का नहीं चलता है सिर्फ एक दो मंत्रियों का ही चलता है, लेकिन मीडिया में क्या कहना है या नहीं कहना है यह उनकी राजनीति है, लेकिन जो लालू यादव से और हमसे जो बात हुई है वह कुल मिलाकर यही है।

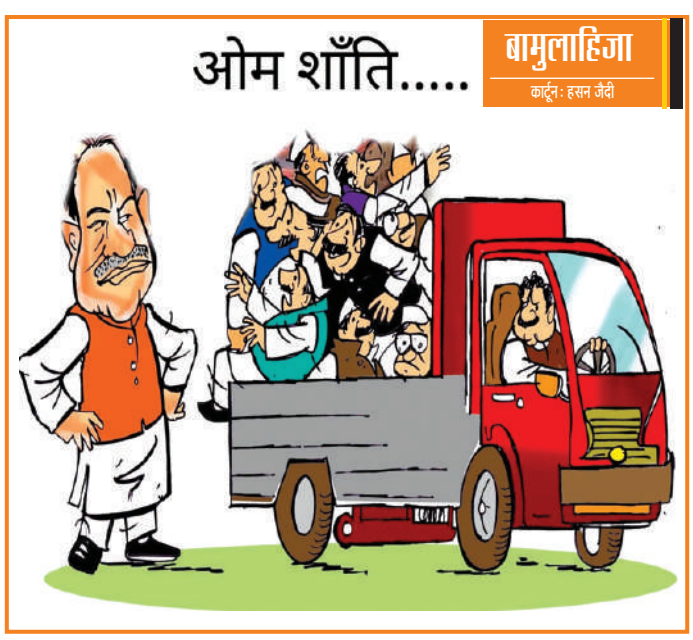

जगन सरकार की उल्टी गिनती शुरू : नायडू

» वाईएसआरसीपी के खिलाफ एक साथ आए टीडीपी और जन सेना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। टीडीपी प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू और जन सेना प्रमुख पवन कल्याण ने आंध्र प्रदेश में परिवर्तन लाने के लिए मुख्यमंत्री और वाईएसआरसीपी प्रमुख वाई। एस। जगन मोहन रेड्डी को सत्ता से हटाने की कसम खाई है। दोनों पहली बार को एक मंच पर एक साथ नजर आए और 2024 के चुनावों में वाईएसआरसीपी सरकार को उखाड़ फेंकने का विश्वास जताया। सितंबर में टीडीपी और जन सेना पार्टी ने गठबंधन किया था।

मुलाकात के दौरान मंच पर चंद्रबाबू नायडू ने कहा था कि टीडीपी और जन सेना का गठबंधन आंध्र प्रदेश के भविष्य के हित में है, जहां पिछले पांच वर्षों में वाईएस जगन के शासन के तहत केवल अराजकता देखी गई है। टीडीपी के नारा लोकेश की युवगलम पदयात्रा के समापन के अवसर पर आयोजित एक पब्लिक मीटिंग में टीडीपी प्रमुख नायडू ने कहा कि जगन सरकार के पतन के लिए उल्टी गिनती शुरू हो गई है।

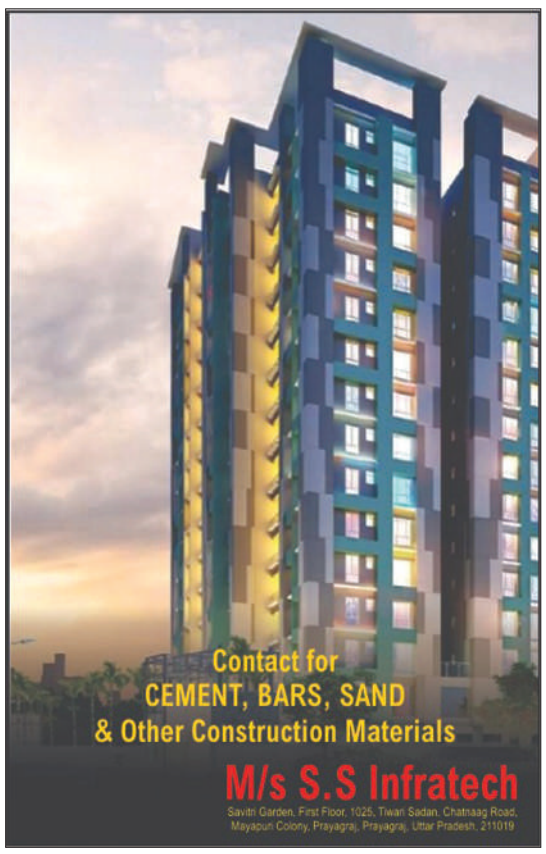

लोस चुनाव की रणभेरी में देरी पर सजने लगी सियासी ढेरी

सत्ता व विपक्ष में रणनीतिक वार-पलटवार, कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दल तैयार बीजेपी की मोदी सरकार की कमियों पर नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2024 की लोकसभा चुनाव की रणभेरी बजने में अभी समय है पर सियासी दलों के रणनीतिक बयान राजनीतिक गलियारों में गूंजने लगे हैं। जहां सत्ता के लोग अपनी योजनाओं के बखान में जुटे हैं वही विपक्ष मोदी सरकार के मनमानी पर जोरदार तरीके से हमलावर हैं। संसद को शीतकालीन सत्र बिना काम काज ही समाप्त हो गया। सरकार ने मनमाने तरीके से 146 सांसदों को सदन के पूरे सत्र से निलंबित कर दिया। इस निलंबन के खिलाफ कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों ने पूरे देश में मोदी सरकार के खिलाफ जर्बदस्त प्रदर्शन किया। विपक्षी दलों ने कहा है बीजेपी सरकार को उखाड़ फेंकने तक यह हल्लाबोल चलता रहेगा। वहीं इस बीच यह भी चर्चा है भारत के लोकतंत्र में पहलीबार इतने सांसदों का एक साथ पूरे सत्र के लिए निलंबन हुआ है।

हालांकि लोगों ने यह भी कहा है कांग्रेस सरकार में ऐसा कई बार हुआ है। भारत में सांसदों का निलंबन शब्द पिछले 4 दिनों से सुर्खियों में है। लोकसभा और राज्यसभा को मिलाकर अब तक 146 सांसद सस्पेंड किए जा चुके हैं। निलंबित हुए सभी सांसद विपक्षी इंडिया गठबंधन के हैं, सभी सांसदों को सदन में व्यवधान उत्पन्न करने और संसद की मर्यादा तोड़ने के आरोप में निलंबित किया गया है, राज्यसभा के 11 सांसदों का मामला प्रिविलेज कमेटी के पास भी भेजा गया है।

स्पीकर और सभापति को है विशेषाधिकार

लोकसभा में स्पीकर सांसदों को निलंबित करते हैं, राज्यसभा में यह काम सभापति के द्वारा किया जाता है, स्पीकर और सभापति प्रस्ताव के जरिए सदस्य को निलंबित करते हैं। प्रस्ताव संसदीय कार्यमंत्री या नेता सदन ला सकते हैं, लोकसभा में नियम 373, नियम 374 और नियम 374-ए के तहत सांसदों को निलंबित किया जाता है, राज्यसभा में सांसदों को निलंबित करने के लिए नियम 255 और नियम 256 का उपयोग किया जाता है।

पहले भी हो चुके हैं सांसद निलंबित

संसद के इतिहास में यह पहला मौका नहीं है, जब सांसदों को संसद की गरिमा और व्यवधान उत्पन्न करने के आरोप में सस्पेंड किया गया हो। नेहरू के जमाने में पहली बार गोदे मुराहारी को 1962 में पहली बार राज्यसभा से निलंबित किया गया था। 1966 में फायरब्रांड नेता राज नारायण को प्रस्ताव के जरिए संसद से निलंबित किया गया था। राज नारायण देश के पहले ऐसे सांसद थे, जिन्हें 4 बार सदन से निलंबित किया गया था। 70 के दशक में 4 बार निलंबित किए जाने वाले एक मात्र सांसद थे. राज्यसभा से राज नारायण को 1966, 1967, 1971 और 1974 में संसद से निलंबित किया गया था। उस दौर में इंदिरा गांधी की सरकार काफी मजबूत स्थिति में थी और विपक्ष पूरी तरह से बिखरा हुआ था। इंदिरा गांधी के धुर-विरोधी राज नारायण उस वक्त सोशलिस्ट पार्टी के बड़े नेता माने जाते थे। 1966 में सदन के नेता एमसी छागला ने पहली बार राज नारायण के निलंबन का प्रस्ताव लाया था। 1967 में राज नारायण के निलंबन का प्रस्ताव तत्कालीन सदन के नेता जय सुखलाल हाथी ने लाया था।1971 में इंदिरा सरकार के संसदीय कार्यमंत्री ओम मेहता ने राज नारायण के निलंबन का प्रस्ताव लाया। 1974 में संसदीय कार्य राज्य मंत्री ने राज नारायण के निलंबन का प्रस्ताव राज्यसभा में रखा।

विपक्ष में 2024 में पीएम चेहरे पर रार

हिंदी बेल्ट के 3 बड़े राज्यों एमएपी, राजस्थान और छत्तीसगढ़ विधानसभा इलेक्शन में कांग्रेस की बुरी हार के बाद इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इनक्लूसिव अलायंस यानी इंडिया में सब कुछ ठीक नजर नहीं आ रहा है। एक तरफ जहां पीएम फेस के लिए खरगे या नीतीश पर आम राय नहीं बन पाई, वहीं दूसरी तरफ यूपी बंगाल, पंजाब, महाराष्ट्र में सीट शेयरिंग का फॉर्मूला ही नहीं बन पा रहा। 19 दिसंबर को दिल्ली में इंडिया की मीटिंग हुई। पीएम फेस पर चर्चा हुई तो ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस प्रेसिडेंट मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम आगे बढ़ा दिया। इसके बाद जदयू असहज नजर आने लगी, क्योंकि बिहार के सीएम नीतीश कुमार का नाम पहले से ही पीएम कैंडिडेट के लिए चल रहा है।

इंदिरा के दौर में 7 तो मोदी के दौर में 255 सांसद सस्पेंड

इंदिरा गांधी के दौर में 7 सांसद निलंबित हुए थे. राजीव शासन में यह आंकड़ा 63 का था। मनमोहन के 10 साल में 59 तो मोदी के 9 साल में 255 सांसद सस्पेंड हुए।

जदयू के नेता के बिगड़े बोल, कौन हैं खरगे-फरगे

दिल्ली में इंडी गठबंधन की बैठक के बाद प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के लिए नेताओं के बीच बयानबाजी तेज हो गई है। इसी क्रम में जेडीयू के विवादित नेता गोपाल मंडल का बयान सामने आया है। उन्होंने तो कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पहचानने से ही इनकार कर दिया। गोपाल मंडल से जब मीडिया ने पूछा कि इंडी गठबंधन की बैठक में मल्लिकार्जुन खरगे को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाने की बात हुई है तो इसपरवह भड़क गए। उन्होंने कहा कि खरगे फरगे को कौन जानता है। उन्होंने कहा कि हम तो आपके ही मुंह से खरगे का नाम सुने हैं। इससे पहले हम जानते भी नहीं थे कि खरगे-फरगे कौन है। यह बात भी आज ही जाने हैं कि खरगे कांग्रेस के अध्यक्ष हैं। आम लोगों में से कौन जानता है खरगे को, सभी लोग तो नीतीश कुमार को जानता है। पूरा देश नीतीश कुमार को जानता है। नीतीश कुमार के काम की वजह से उन्हें सभी लोग जानते हैं। नीतीश कुमार के नाम पर सभी लोग तैयार हो जाएंगे। गोपाल मंडल बिहार के भागलपुर में गोपालपुर विधानसभा क्षेत्र से विधानसभा सदस्य हैं। वह अक्सर विवादों में रहते हैं। हाल में ही वह तब विवादों में घिर गए थे जब वह अस्पताल में रिवॉल्वर लेकर घुस गए थे। इसके बाद जब पत्रकारों ने सवाल पूछा तो उसे धमकी भी देने लगे थे। यहां तक कि उन्होंने रिवॉल्वर निकालने की भी धमकी दे डाली थी। एक बार ट्रेन में चड्डी बनियान में पब्लिक में घूमने लगे थे। जिसके बाद उनका वीडियो जमकर वायरल हुआ था।

राजनरायण से लेकर डेरेक ओ ब्रायन तक कई बार हो चुके हैं निलंबित

1974 में राज्यसभा से निलंबन के कुछ महीने बाद ही राज नारायण गिरफ्तार कर लिए गए, उन्हें मीसा कानून के तहत 2 साल जेल में रखा गय, जब सभी विपक्ष के नेता 1977 में छोड़े गए, तो राज नारायण भी जेल से बाहर आए। 1977 के लोकसभा चुनाव में राज नारायण ने जनता पार्टी के सिंबल से इंदिरा गांधी के खिलाफ चुनाव लड़ा। उन्हें इस चुनाव में कामयाबी भी मिली. राज नारायण पहली बार रायबरेली सीट से इंदिरा को हराकर लोकसभा पहुंचे। संसद में सबसे ज्यादा बार निलंबित होने वाले सांसदों की लिस्ट में तृणमूल कांग्रेस के डोला सेन का भी नाम है। डोला सेन वर्तमान में पश्चिम बंगाल से राज्यसभा की सांसद हैं। 2020 से अब तक डोला 4 बार राज्यसभा से सस्पेंड हो चुकी हैं। 2020 में कृषि कानून विधेयक पर बहस के दौरान डोला समेत 8 सांसदों ने जमकर बवाल काटा था, जिसके बाद सभी 8 सांसदों को

निलंबित कर दिया गया था. सेन का आरोप था कि कृषि कानून को लेकर राज्यसभा के उपसभापति सेन का आरोप था कि गलत तरीके से वोटिंग कराई। सेन को इसके बाद 2021 के मानसून सत्र, 2021 के शीतकालीन सत्र और 2022 के मानसून सत्र में संसद से निलंबित किया। 56 साल की डोला सेन की संसद में उपस्थिति मात्र 56 प्रतिशत है, हालांकि, सेन की भागीदारी काफी ज्यादा है. सेन अब तक 219 डिबेट में भाग ले चुकी हैं। मणिकम टैगोर- कांग्रेस के मणिकम टैगोर भी 2020 से अबतक 4 बार संसद से निलंबित हो चुके हैं। टैगोर को 2020 के बजट सत्र के दौरान निलंबित किया गया था। 2021 और 2022 के मानसून सत्र में भी टैगोर संसद से निलंबित हुए. हाल ही में जब संसद की सुरक्षा का मसला उठा, तो निलंबन की पहली सूची में ही टैगोर का नाम था।राहुल गांधी के करीबी टैगोर तमिलनाडु के विरुधनगर सीट से सांसद हैं। पीआरएस लेजेस्लेटिव के मुताबिक संसद में टैगोर की उपस्थिति 89 प्रतिशत हैं. टैगोर 92 डिबेट में भाग ले चुके हैं। फायरब्रांड नेता डेरेक ओ ब्रायन भी संसद से 4 बार निलंबित हो चुके हैं, 2020 में ब्रायन ने कागज फाड़कर सभापति पर फेंक दिया था, डेरेक 2021, 2022 और 2023 में भी संसद से निलंबित हो चुके हैं। डेरेक राज्यसभा में तृणमूल संसदीय दल के नेता भी हैं, ब्रायन को ममता बनर्जी का काफी करीबी माना जाता है, तृणमूल को मीडिया और सोशल मीडिया में लाने का श्रेय भी बंगाल के राजनीतिक गलियारों में ब्रायन को ही दिया जाता है। जेल में बंद आप सांसद संजय सिंह भी 3 बार निलंबित हो चुके हैं। सिंह को पहली बार कृषि विधेयक 2020 पर चर्चा के दौरान राज्यसभा से निलंबित किया गया था. सिंह पर तब माइक तोड़ने और कागज फाड़ने का भी आरोप लगा था। सिंह 2022 के मानसून सत्र और 2023 के मानसून सत्र में भी निलंबित किए गए थे. 2023 के मानसून सत्र में उन्होंने गुजरात में ड्रग्स और शराब जैसे मुद्दों पर जमकर बवाल काटा था। आप के संस्थापक सदस्य संजय सिंह 2018 में राज्यसभा के लिए चुने गए थे। सिंह हाल के दिनों तक राज्यसभा में आप संसदीय दल के नेता भी थे. जेल जाने की वजह से आप ने राघव चड्ढा को इस पद पर बैठाया है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

न्यायालयों में लंबित मामले तुरंत खत्म हों

सुप्रीम कोर्ट ने 15 दिसंबर तक 52,191 मामलों का निपटारा किया, जबकि इस साल 49,191 मामले दर्ज किए गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने इस उपलब्धि को देश के कानूनी इतिहास में एक ऐतिहासिक क्षण बताया है। एक अन्य उपलब्धि में, भारत का सर्वोच्च न्यायालय 1 जनवरी 2023 से 15 दिसंबर 2023 तक 52,191 मामलों का निपटारा करने में सक्षम रहा है, जिसमें 45,642 विविध मामले और लगभग 6,549 नियमित मामले शामिल हैं।

अभी हाल ही में मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा था कि न्यायपालिका को आने वाले सालों में और आधुनिक किया जाएगा। उन्होंने कहा न्यायिक व्यवस्था का पहला मकसद यह होना चाहिए की आम नागरिक को त्वरित न्याय मिले। साथ ही उन्होंने सभी कोर्ट से आग्रह किया किसी भी व्यक्ति न्याय से वंचित न किया जाए। उधर सरकार ने आंकड़े में बताया कि देश भर के विभिन्न न्यायालयों में पांच करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। इनमें से 85 प्रतिशत से अधिक मामले जिला और अधीनस्थ न्यायालयों में लंबित हैं। बढ़ते मामलों का नकारात्मक प्रभाव आम लोगों तक न्याय की उपलब्धता पर पड़ता है। इसमें तत्काल सुधार जरूरी है। सरकार ने इसके लिए कानून बनाया है। संसद ने इसके लिए विधेयक पास किया है। लोअर कोर्ट के लिए समय सीमा निर्धारित की गई है। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने एक बयान में कहा है कि उसने इस साल दर्ज मुकदमों की संख्या से अधिक मामलों का निपटारा किया है। यह दर्शाता है कि वह अपने लंबित मामलों को निपटाने में सक्षम है जो न्यायपालिका की लंबे समय से चली आ रही समस्या बनी हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने 15 दिसंबर तक 52,191 मामलों का निपटारा किया, जबकि इस साल 49,191 मामले दर्ज किए गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने इस उपलब्धि को देश के कानूनी इतिहास में एक ऐतिहासिक क्षण बताया है। एक अन्य उपलब्धि में, भारत का सर्वोच्च न्यायालय 1 जनवरी 2023 से 15 दिसंबर 2023 तक 52,191 मामलों का निपटारा करने में सक्षम रहा है, जिसमें 45,642 विविध मामले और लगभग 6,549 नियमित मामले शामिल हैं। वर्ष 2023 में कुल निपटान 52,191 है. मामलों के कुल पंजीकरण की तुलना में जो 49,191 था.अदालत द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि इस वर्ष निपटाए गए मुकदमों में 18,449 आपराधिक मामले, 10,348 सामान्य सिविल मामले और 4,410 सेवा मामले शामिल हैं, अदालती आंकड़ों से पता चलता है कि सुप्रीम कोर्ट ने 2022 में 39,800 मामले, 2021 में 24,586 मामले और 2020 में 20,670 मामले निपटाए थे. अदालत ने कुशल न्याय वितरण के लिए प्रौद्योगिकी को अपनाने और रणनीतिक सुधारों के साथ-साथ न्यायपालिका के सक्रिय दृष्टिकोण को श्रेय दिया। अदालत ने कहा, यह उपलब्धि न केवल भारतीय कानूनी प्रणाली के लचीलेपन और अनुकूलन क्षमता को दर्शाती है, बल्कि तेजी से विकसित हो रही दुनिया में न्याय के सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए न्यायपालिका की प्रतिबद्धता की भी पुष्टि करती है। 2017 में इंटीग्रेटेड केस मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम लागू होने के बाद से निपटान संख्या के मामले में सबसे अधिक है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अपने अंतर्विरोधों से ही जूझता 'इंडिया' गठबंधन

राधिका रामशेषन

गिलास आधा भरा है या खाली, यह देखने वाले के सकारात्मक या नकारात्मक नजरिए पर निर्भर है। जून महीने में अपनी शुरुआत के साथ 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्कलुसिव अलायंस' (इंडिया) नामक गठबंधन, जिसमें 28 दल हैं, उसकी चाहत है कि 2024 के आम चुनाव में भाजपा से लड़ने को एक संयुक्त मोर्चा बनाने में जितना संभव हो, अधिक से अधिक विपक्षी दलों को साथ जोड़ा जाए। इस गुट की स्थापना करने में, कांग्रेस का योगदान उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि अन्य क्षेत्रीय पार्टियों का, यह एक तरह से गांधी परिवार की स्वीकारोक्ति है कि उसकी राजनीतिक विरासत अपने बूते पर भाजपा से मुकाबला करने लायक नहीं रही। 'इंडिया' गठबंधन की बैठकों की शृंखला से भी यह सिद्ध होता है कि कांग्रेस का रुतबा बाकियों से ऊपर न होकर, बराबरी का है।

आदर्श रूप में, हालिया घटनाएं इस किस्म के गठबंधन की जरूरत को और गहराई से रेखांकित करती हैं खासकर कांग्रेस के लिए, क्योंकि पटना में 'इंडिया' गठजोड़ के पहले सम्मेलन से जो अनुकूल माहौल बना था, वह आगे चलकर फीका होता गया। इससे सात महीने पहले, राहुल गांधी की व्यापक 'भारत जोड़ो यात्रा' पूरा होने के बाद भी कुछ आस बंधी थी। जो आमतौर पर लोगों के बीच उनकी छवि एक अनिच्छुक और अनाड़ी राजनेता होने को बदलने में कुछ हद तक सहायक हुई। कांग्रेस ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में प्रभावशाली जीत भी हासिल की और जनता दल (सेक्युलर) को खत्म कर डाला, जिससे उसने 'राजग' की शरण लेनी चाही है। वर्ष 2023 का साल खत्म होते-होते विपक्ष के लिए परिदृश्य मायूसी में बदल गया। भाजपा ने हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में कांग्रेस के साथ सीधी टक्कर में एकतरफा जीत हासिल कर ली। इस क्षेत्र में अब कांग्रेसी विधायकों का वजूद यहां-वहां है। संसद में चल रहे वर्तमान शीतकालीन सत्र में, भाजपा ने 2024 में सत्ता-वापसी के कयासों के बीच, अपनी लगभग-आधिपत्य वाली स्थिति को पुन: सुदृढ़ किया है। संसद की सुरक्षा में लगी हालिया सेंध पर विपक्ष द्वारा सरकार से सदन के भीतर वक्तव्य की मांग की भाजपा ने जरा परवाह नहीं की। न केवल सरकार ने सदन में हंगामा करने वालों को पास मुहैया करवाने वाले सांसदों को उत्तरदायी ठहराने के सुझाव को खारिज किया बल्कि बिना बहस करवाए वह कानून भी पारित करवा लिए जिनका डाटा सुरक्षा और आपराधिक

न्याय प्रणाली पर दूरगामी असर होगा। विपक्षी सांसदों का थोक में निलम्बन किए जाने के बाद, लोकसभा और राज्यसभा में विपक्षी सदस्यों की उपस्थिति शेष सत्र में नगण्य हो गई है। दोनों सदनों का यह परिदृश्य आरएसएस की लंबे समय से पाली आकांक्षा की परिणति है, जिसके तहत वह चाहती है कि केंद्र में एक धाकड़ सरकार हो और राज्य सरकारें उपग्रह की हैसियत से परिक्रमा करती रहें।

ऐसे हालात विपक्ष के गठबंधन को फलीभूत करने में कितने पूर्व-संकेतक हैं? 19 दिसम्बर को 'इंडिया' गुट के घटकों की नई दिल्ली में बैठक हुई, मकसद था, आपसी फूट को लेकर चल रही चर्चाओं का निराकरण किया जाए, जो पिछले सत्रों के बाद और हालिया राज्यों के चुनावों से पहले सीट बंटवारे को लेकर समाजवादी पार्टी, जदयू और राष्ट्रीय लोकदल के बीच खींच-तान से पैदा हुई थीं। बैठक- जिसमें शिव सेना (उद्धव), यूपी एवं बिहार में मंडल कमीशन नीत राजनीति करने वाली पार्टियां, डीएमके एवं उसके सहयोगी दल और आम आदमी पार्टी शामिल थे-दलों के बीच सहयोग और सर्वसम्मति बनाने को लेकर थी, लेकिन यह हो न पाया। अभी भी यह स्पष्ट नहीं है कि क्या प्रतिभागी पूर्व में 'अप्रासंगिक' माने जा चुके मुद्दों को उठाकर अपना नुकसान करने पर आमादा थे या फिर अपने विरोधाभासों को व्यक्त करके बहुत खुश थे।

तृणमूल कांग्रेस की ममता बनर्जी और 'आप' के अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को 'इंडिया' गठबंधन की ओर से बतौर प्रधानमंत्री चेहरा बनाने का सुझाव दिया। लगता है उन्होंने इस मुद्दे पर अपने सिवा किसी अन्य से सलाह नहीं की थी, यह यकीन करते हुए कि वक्त आने पर बाकी सहयोगियों को इस बिंदु पर मना लेंगे कि भाजपा की अन्य पिछड़ा वर्ग वाली रणनीति का तोड़ 'इंडिया' गठबन्धन की ओर से भारत का पहला दलित प्रधानमंत्री देने वाला पत्ता खेलने में है।

हालांकि जदयू नेता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार कहते आए हैं कि उन्हें प्रधानमंत्री पद की लालसा नहीं है, लेकिन विगत में उनके सहयोगियों के बयानों में यह महत्वाकांक्षा बखूबी झलकती है। परंतु प्रधानमंत्री पद का चेहरा घोषित करने पर विमर्श आगे नहीं बढ़ पाया, विशेषकर स्वयं खड़गे द्वारा इस सुझाव को तूल न दिए जाने के अनुरोध के बाद, हालांकि कुछ खबरों में उन्हें अपने लिए यह कहते हुए बताया गया कि वे लंबे समय से सार्वजनिक जीवन में हैं और उनका व्यवहार एक योद्धा सरीखा रहा है।

पहाड़ों के संरक्षण से ही थमेगा पर्यावरणीय संकट

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

कॉप सम्मेलनों के दौरान शायद ही कभी ऐसा हुआ होगा कि एक महत्वपूर्ण मंच से किसी संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने हिमालय को केन्द्र में लाकर रख दिया हो। दो दिसम्बर, 2023 में कॉप-28 की दुबई में लगभग शुरुआत में ही एक आयोजन में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने ऐसा कर दिखाया। उन्होंने चिंता के स्वरों के साथ कहा था कि जोखिम के प्रति संवेदनशील पर्वतीय देश वह संकट झेल रहे हैं जो उनके किये के कारण नहीं है। हिमालयी पर्वत सहायता के लिये चीत्कार कर रहे हैं। कॉप-28 को इसका जवाब देना चाहिए। उन्होंने यह भी जोड़ा कि हिमालयी ग्लेशियर इतनी तेजी से पिघल रहे हैं कि डर है कि वहां सारे ग्लेशियर खत्म न हो जायें। हिमालयी पहाड़ बर्फ विहीन हो रहे हैं। यदि हम राह नहीं बदलेंगे तो भयंकर त्रासदी ले आयेंगे। ग्लेशियर लुप्तप्राय होने से गंगा, सिंधु, ब्रह्मपुत्र में पानी कम हो सकता है। इससे 2500 लाख लोगों पर असर पड़ेगा। अक्टूबर, 2023 में नेपाल भ्रमण के अनुभवों का उल्लेख करते हुये महासचिव का कहना था कि नेपाल ने पिछले तीस सालों में एक-तिहाई बर्फ खोने की बात भी कही जिससे वहां स्थानीय समुदायों के जीवन पर असर पड़ा है।

निस्संदेह, आज तेजी से गर्म होती पृथ्वी में जैव विविधता के साथ-साथ ग्लेशियर भी हमारा साथ छोड़ते जा रहे हैं। हजारों साल पहले तक ग्लेशियर कई महाद्वीपों के भूभागों में विस्तार लिये थे। ये सिकुड़ते गये व अब विश्व के दस प्रतिशत क्षेत्र में हैं। भारी-भरकम ग्लेशियर लम्बाई-चौड़ाई में सैकड़ों किलोमीटर परिमाप और मोटाई में 70 से 100 मीटर से तीन-चार किलोमीटर तक परिमाप के भी हो सकते हैं। विश्व के जल भंडार सारे वैश्विक ग्लेशियर यदि पिघल जायें तो सागर स्तरों में लगभग 230 फीट की बढ़ोतरी हो जायेगी।

ग्लेशियर तो स्वत: भी पिघलेंगे ही। तभी तो विश्व की ऐसी हिमपोषित नदियां अस्तित्व में आती हैं जो कम बरसातों में भी सदानीरा रहती हैं। किन्तु 21वीं सदी की शुरुआत से ही हिमालयी ग्लशियरों की पिघलने की दर दुगुनी हो गई है। ये हर साल करीब-करीब आधा मीटर की मोटाई खो रहे हैं। इससे नदियों पर, जैव विविधता पर व जलवायु पर असर पड़ रहा है। यदि ग्लेशियर ही न रहेंगे तो उनसे निकली नदियां भी कहां रह पायेंगी। किन्तु ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने से भविष्य में जल के संकट व बाढ़ों की संभावनाएं भी गहरा जाती हैं। इनमें खतरनाक ग्लेशियल झीलें भी बन जाती है। जिनके टूटने से तबाहियां आती रही हैं। उत्तराखंड में भी लगभग 486 ग्लेशियल झीलें हैं जिनमें से 13 बेहद जोखिम वाले हैं।

दुनियाभर में तीस हजार वर्गमील ग्लेशियर तापमान की वैश्विक समस्या झेल रहे हैं। साल 2018 में बंगलुरु के जलवायु बदलाव पर काम करने वाले एक संस्थान के वैज्ञानिकों ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि पश्चिमोत्तर हिमालय में 1991 के बाद औसत तापमान 0.66 सेंटीग्रेड बढ़ गया है। वहां सर्दियां भी लगातार गर्म हो रही हैं। अमेरिका की एक एजेंसी तो पूरे हिंदु कुश हिमालय पर ही जलवायु बदलाव के खतरों से सालों पहले आगाह कर चुकी थी। हैरानीजनक है कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव जैसी चिंताएं सितंबर, 2023 जी-20 के दिल्ली शिखर सम्मेलन के जलवायु और पर्यावरण से संबंधित घोषणा पत्र में कहीं नहीं उभरीं। हिंदु कुश हिमालयी क्षेत्रों में बढ़ते तापक्रम से भारी उथल-पुथल से गलते ग्लेशियर व उनसे आती बाढ़ों जैसे संकटों की चिंता हिंदु कुश हिमालयी देश चीन व भारत में तो होनी ही चाहिये थी। कटु यथार्थ तो यह है कि हिंदु कुश हिमालयी क्षेत्र के देश भारत में 70 प्रतिशत से ज्यादा बिजली उत्पादन कोयले से हो रहा है और निकट भविष्य में भी होता रहेगा। चीन भी कोयले का और अधिक उपयोग कर रहा है। इन देशों में बिजली उत्पादन, औद्योगीकरण, परिवहन, पर्यटन, तीर्थाटन के नाम पर ग्लेशियर क्षेत्रों तक मानवीय भीड़ व गतिविधियां भी पहुंची हैं। बता दें कि 7 फरवरी, 2021 को चमोली जिले में रैणी व तपोवन क्षेत्र में हुए जल प्रलय का कारण अप्रत्याशित रूप से ग्लेशियर विखंडन व ग्लेशियल झील फटने से जुड़ी दुर्घटना ही थी। केदारनाथ में 2013 की त्रासदी में भी ग्लेशियल लेक बाढ़ बहाव की भूमिका थी।

पवित्र चार धाम श्री बदरीनाथ, श्री केदारनाथ, श्री गंगोत्री व श्री यमुनोत्री धाम जो ग्लेशियरों के अंचल क्षेत्र हैं, वहां सीमित समय में हर धाम में लाखों श्रद्धावान पहुंच रहे हैं। हजारों वाहनों की हजारों ट्रिप हो रही हैं। आकाशीय परिवहन भी बढ़ रहा है। यहां सीमेंट-सरिया से निर्माण भी बढ़ा है। श्री बदरीनाथ धाम के पास सतोपंथ ग्लेशियर है। यमुनोत्री ग्लेशियर भी यमुनोत्री से लगभग दस किमी पर है। गंगोत्री ग्लेशियर का गोमुख भी बीते दशक में करीब 300 मीटर पीछे खिसक गया है।

भारत को अपने ग्लशियरों को बचाना चाहिये। ऐसे आर्थिक लोभ की गतिविधियों से भी बचना चाहिये जिससे हिमालयी ग्लेशियरों पर संकट आये। बाहर की भीड़ को वहां ग्लेशियरों पर संकट न पैदा करने दीजिये। इससे प्रदूषक कार्बन गैसें, ग्रीन हाउस गैसें वहां पहुंच रही हैं। इनसे ग्लेशियरों में उष्मीय ऊर्जा भी कैद हो रही है। ग्लेशियर्स की सेहत के लिए बर्फ पर कम से कम गतिविधियां हों। उनके आसपास वेडिंग डेस्टिनेशन और ज्यादा हवाई उड़ानों को न लायें।

खुशियां बांटने का त्योहार है क्रिसमस डे

ईसाई धर्म का प्रमुख त्योहार क्रिसमस पूरी दुनिया में धूमधाम से मनाया जाता है। ईसाई ईसा मसीह के जन्म के उपलक्ष्य में क्रिसमस मनाते हैं, जिन्हें वे ईश्वर का पुत्र मानते हैं। क्रिसमस का एक और महत्वपूर्ण पहलू लाल, सुनहरे और हरे रंग का उपयोग है। ये रंग त्योहार के रंगों को दर्शाते हैं। जबकि लाल ईसा मसीह के खून का प्रतीक है, सोना तीन राजाओं के उपहारों में से एक है और हरा रंग अनंत जीवन का रंग है। क्रिसमस के दिन लोग एक दूसरे को गिफ्ट देते हैं और केक काटकर क्रिसमस का आनंद उठाते हैं। इस त्योहार में केक और गिफ्ट के अलावा एक और चीज का विशेष महत्व होता है, वह है क्रिसमस ट्री। हर साल क्रिसमस के पर्व पर लोग घर में क्रिसमस ट्री लगाते हैं।

क्रिसमस ट्री

क्रिसमस ट्री को लेकर कई तरह की मान्यताएं प्रचलित हैं। एक मान्यता के अनुसार, 16वीं सदी के ईसाई धर्म के सुधारक मार्टिन लूथर ने शुरू की थी। कहा जाता है कि मार्टिन लूथर 24 दिसंबर की शाम को एक बर्फीले जंगल से जा रहे थे, जहां उन्होंने एक सदाबहार के पेड़ को देखा। पेड़ की डालियां चांद की रोशनी से चमक रही थीं। इसके बाद मार्टिन लूथर ने अपने घर पर भी सदाबहार का पेड लगाया और इसे छोटे- छोटे कैंडल से सजाया। इसके बाद बाद उन्होंने जीसस क्राइस्ट के जन्मदिन के सम्मान में भी सदाबहार के पेड़ को सजाया और इस पेड़ को कैंडल की रोशनी से प्रकाशित किया।

क्रिसमस डे का महत्व

ईसाई धर्म में आस्था रखने वाले लोगों के लिए क्रिसमस धार्मिक महत्व का दिन है। इस दिन ये लोग ईसा मसीह को याद करते हैं। उनके बलिदानों को याद करते हैं और सामूहिक सेवा करते हैं। सामूहिक सेवा में, ईसाई याद करते हैं कि यीशु की मृत्यु कैसे हुई और वह बाद में कैसे जीवन में वापस आए। कई लोग इस दिन को आध्यात्मिक जीवन का सत्य मानते हैं। उनका मानना है कि यीशु के जन्म से पहले दुनिया नफरत, लालच और पाखंड से भरी थी, हालांकि यीशु के जन्म से सभी बुरी चीजें खत्म हो गईं और दुनिया में खुशियां छा गईं। ईसाई दुनिया के इस परिवर्तन का जश्न मनाते हैं जो यीशु के जन्म के बाद हुआ था। उनका मानना है कि चूंकि वह संपूर्ण मानवता को सभी पीड़ाओं से बचाने के लिए आए थे, इसलिए सूली पर चढ़ने के दौरान उनके अंतिम बलिदान को याद किया जाना चाहिए।

बच्चे की कुर्बानी

एक बार जर्मनी के सेंट बोनिफेस को पता चला कि कुछ लोग एक विशाल ओक ट्री के नीचे एक बच्चे की कुर्बानी देंगे। इस बात की जानकारी मिलते ही सेंट बोनिफेस ने बच्चे को बचाने के लिए ओक ट्री को काट दिया। उसी ओक ट्री की जड़ के पास एक फर ट्री या सनोबर का पेड़ उग गया। लोग इस पेड़ को चमत्कारिक मानने लगे। सेंट बोनिफेस ने लोगों को बताया कि यह एक पवित्र दैवीय वृक्ष है और इसकी डालियां स्वर्ग की ओर संकेत करती हैं। मान्यता है कि तब से लोग हर साल जीसस के जन्मदिन पर उस पवित्र वृक्ष को सजाने लगे।

क्रिसमस का इतिहास

ऐसा माना जाता है कि ईसा मसीह का जन्म 6 से 4 ईसा पूर्व के बीच हुआ था। क्रिसमस एक वार्षिक आयोजन है जो अत्यधिक धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व रखता है। क्रिसमस नाम मास ऑफ क्राइस्ट शब्द से लिया गया है। रिकॉर्ड के अनुसार, क्रिसमस मनाने की पहली दर्ज तारीख 336 में थी, यह रोमन सम्राट कॉन्स्टेंटाइन के समय के दौरान था, जो पहले ईसाई रोमन सम्राट थे। क्रिसमस के उत्सव के बारे में सबसे आम कहानी वह थी जब यीशु की मां मैरी को बताया गया था कि वह प्रभु से एक विशेष बच्चे को जन्म देगी। कहा जाता है कि मदर मैरी को ये भविष्यवाणी 25 मार्च को मिली थी और नौ महीने बाद 25 दिसंबर को ईसा मसीह का जन्म हुआ था। ग्रेगोरियन कैलेंडर, जिसके आधार पर आज क्रिसमस मनाया जाता है, उस समय अस्तित्व में नहीं था इसलिए इसका कोई प्रमाण नहीं है कि उनका जन्म 25 दिसंबर को हुआ था।

बच्चों को खिलाएं केक

यह दिन बच्चों को बेहद पसंद होता है। इसी के चलते क्रिसमस डे के दिन बच्चों की मनपसंद चीजें बनाई जाती हैं। आजकल के बच्चों को केक सबसे ज्यादा पसंद होता है। बच्चों के लिए घर में केक बनाकर खिलाएं। और बच्चों को इस दिन सेंटा क्लाथ गिफ्ट भी देते हैं। जिससे बच्चे खुश हो जाते हैं।

हंसना मना है

पापा- दिन भर फेसबुक पर बैठा रहता है, ये तुझे रोटी नहीं देने वाली, बेटा- पापा मुझे भी पता है रोटी नहीं देगी, पर रोटी बनाने वाली तो यही मिलेगी!

मां अपने बेटे से- उठ जा कम्बखत, देख सूरज कब का निकल आया है, बेटा अपनी मां से- तो क्या हुआ मां! वो सोता भी तो मुझसे पहले है।

संता के 9 बेटो में 1 अलग दिखता था, संता ने मरते वक्त बीवी से पूछा, अब तो सच बता ये अलग दिखने वाला किसका है? बीवी - ये 1 ही तो आपका है!

पहला सरदार- मैंने अपनी वाईफ को 12 वी पास करवाई, फिर, बीए, फिर एमए, और उसकी सरकारी जॉब लगवा दी, अब क्या करूं? दूसरा सरदार- अच्छा लड़का देख कर शादी कर दे!

सरदार ट्रैन कि पटरी पर सो गया, एक आदमी बोला ट्रैन आएगी तो मर जायेगा, सरदार - साले, अभी प्लेन ऊपर से गया, कुछ नहीं हुआ। तो ट्रेन क्या चीज है?

लड़का- यार, मुझे उस लड़की से बचाओ, दोस्त - क्यों? लड़का- जब से मैंने कह दिया है दिल चीर के देख तेरा ही नाम होगा, साली 'चाकू' लेके पीछे पड़ गयी है!

कहानी — मनपसंद मिठाई

सर्दियों में महाराज कृष्णदेव राय, राजपुरोहित और तेनालीराम महल के बागीचे में टहल रहे थे। महाराज बोले, इस बार बहुत गजब की ठंड पड़ रही है। सालों में ऐसे ठंड नहीं पड़ी। ये मौसम तो भरपूर खाने और सेहत बनाने का है। क्यों राजपुरोहित जी, बिल्कुल सही कह रहे हैं महाराज आप। इस मौसम में ढेर सारे सूखे मेवे, फल और मिठाइयां खाने का मजा ही अलग होता है, महाराज बोले, वैसे ठंड में कौन सी मिठाइयां खाई जाती हैं? राजपुरोहित बोले, महाराज सूखे मेवों की बनी ढेर सारी मिठाइयां जैसे काजू कतली, बर्फी, हलवा, गुलाब जामुन, आदि। ऐसी और भी कई मिठाइयां हैं, जो हम ठंड में खा सकते हैं। यह सुनकर महाराज हंसने लगे और तेनालीराम की तरफ मुड़कर बोले, आप बताइए तेनाली। आपको ठंड में कौन सी मिठाई पसंद है? इस पर तेनाली ने जवाब दिया, महाराज, राजपुरोहित जी, आप दोनों रात को मेरे साथ चलिए। मैं आपको अपनी मनपसंद मिठाई खिला दूंगा। साथ क्यों? आपको जो मिठाई पसंद है, हमें बताइए। हम महल में ही बनवा देंगे, महाराज ने बोला। नहीं महाराज, वह मिठाई यहां किसी को बनानी नहीं आएगी। आपको मेरे साथ बाहर ही चलना होगा, चलिए ठीक है। आज रात को खाने के बाद की मिठाई हम आपकी मनपसंद जगह से ही खाएंगे। रात को खाना खाने के बाद महाराज और राजपुरोहित ने साधारण कपड़े पहने और तेनाली के साथ चल पड़े। गांव पार करके, खेतों में बहुत दूर तक चलने के बाद महाराज बोले, हमें और कितना चलना पड़ेगा तेनाली? आज तो तुमने हमें थका दिया है। बस कुछ ही दूर और, तेनाली ने उत्तर दिया। जब वो सभी मिठाई वाली जगह पहुंच गए, तो तेनाली ने महाराज और राजपुरोहित को एक खाट पर बिठवा दिया और खुद मिठाई लेने चले गए। थोड़ी देर में वे अपने साथ तीन कटोरियों में गर्मा गर्म मिठाई ले आए। जैसे ही महाराज ने उस मिठाई को चखा उनके मुंह से वाह के अलावा और कुछ नहीं निकला। महाराज और राजपुरोहित एक बार में पूरी मिठाई चट कर गए। इसके बाद उन्होंने तेनाली से कहा, वाह पंडित रामाकृष्णा! मजा आ गया! क्या थी यह मिठाई? हमने यह पहले कभी नहीं खाई है। महाराज की बात पर तेनालीराम मुस्कुराए और बोले, महाराज ये गुड़ था। यहां पास ही में गन्नों का खेत है और किसान उसी से यहां रात को गुड़ बनाते हैं। मुझे यहां आकर गुड़ खाना बहुत पसंद है। मेरा मानना है कि गर्मागर्म गुड़ भी बेहतरीन मिठाई से कम नहीं होता। बिल्कुल, पंडित रामा, बिल्कुल। इसी बात पर हमारे लिए एक कटोरी मिठाई और ले आइए। इसके बाद तीनों ने एक कटोरी गुड़ और खाया और फिर महल को लौट गए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज यदि आप अपने धन को किसी मकान अथवा जमीन जायदाद को लेने में निवेश करेंगे, तो उसके लिए यह समय उत्तम रहेगा, इसलिए दिल खोलकर निवेश करें।

वृषभ

आज आप लोगों को अपनी योजनाओं से सहमत कर लेंगे। कई दिनों से रुका हुआ कोई जरूरी काम आज पूरा हो जायेगा। ऑफिस में सीनियर्स आपके काम को देखकर खुश होंगे।

मिथुन

आज आप जिस भी कार्य को करेंगे, उसमें आपको ध्यान देना होगा, कि किसी के चक्कर में आपको कोई गलत निर्णय अथवा कोई गलत काम ना करें,

कर्क

आज समाज के लोग आपसे घर पर मिलने आयेंगे। इस राशि के विवाहितों के लिए भी आज का दिन बढ़िया रहेगा। आपके काम से जीवनसाथी प्रसन्न होंगे।

सिंह

आज प्रभाव और प्रताप में वृद्धि का दिन रहेगा, लेकिन अपने जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहना होगा, क्योंकि उनको कोई स्वास्थ्य समस्या परेशान कर सकती है।

कन्या

आप अपने परिवार के साथ मनोरंजन के लिए घर पर कोई गेम खेलने का प्लान बनायेंगे। इस राशि के व्यापारी वर्ग को अचानक बड़ा धन लाभ होने की संभावना है।

तुला

आज का दिन आपके लिए उत्तम रूप से सफलता दायक रहेगा। आज आपका अपने लंबे समय से रुके हुए धन की प्राप्ति होने से आपका मन प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिक

आज आपका कोई जरूरी काम पूरा होगा। नया व्यापार शुरू करने के योग बन रहे हैं। इस राशि की महिलाएं अपने बच्चों के साथ शॉपिंग करने जा सकती हैं।

धनु

आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहेगा। आज आपको संतान की शिक्षा से संबंधित किसी परिणाम के आने से प्रसन्नता होगी।

मकर

आपको धन लाभ के कई मौके मिलेंगे। परिवार के सहयोग से आपके कुछ काम पूरे हो जायेंगे, लेकिन आज आपको फिजूल की बातों में पड़ने से बचना चाहिए।

कुम्भ

आज का दिन आपके लिए हर्षोल्लास से भरा रहेगा। आज आपके घर में किसी शुभ मांगलिक कार्यक्रम पर चर्चा हो सकती हैं, जिसमें परिवार के सभी सदस्य बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे।

मीन

आपका वैवाहिक जीवन खुशियों से भरा रहेगा। ऑफिस का माहौल ठीक-ठाक रहेगा। काम का बोझ भी कम रहेगा। बिजनेस को आगे बढ़ाने में बड़े भाई का सहयोग मिलेगा।

बॉलीवुड | बॉक्स ऑफिस

डंकी के आते ही सैम बहादुर की डूबी नैया

विक्की कौशल की एक महीने में दो फिल्में रिलीज हुई है। 1 दिसंबर को उनकी फिल्म सैम बहादुर ने बॉक्स ऑफिस पर रणबीर कपूर-बॉबी स्टारर फिल्म एनिमल से टक्कर ली थी। अब इसके बाद एक बार फिर वह शाह रुख खान और राजकुमार हिरानी स्टारर फिल्म डंकी के साथ दिसंबर में दूसरी बार फैंस के बीच लौटे हैं। डंकी में उनका महज एक छोटा सा रोल था, लेकिन उसका इम्पेक्ट दर्शकों पर काफी पड़ा। हालांकि, जो एनिमल न कर सकी, वो शाह रुख खान की फिल्म डंकी ने कर दिखाया है। इस फिल्म के सिनेमाघरों में आते ही सैम बहादुर बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिर गयी है। 21वें दिन सैम बहादुर बॉक्स ऑफिस पर बहुत ही बुरी तरह से गिर पड़ी है और फिल्म की कमाई लाखों में पहुंच गयी है। विक्की कौशल और मेघना गुलजार की फिल्म सैम बहादुर की शुरुआत बॉक्स ऑफिस पर ठीक ठाक हुई थी, लेकिन उनकी समय के साथ फिल्म की कमाई में बढ़ोतरी हुई थी। हालांकि, 20 दिन तक खुद को अच्छे से संभालने वाली सैम बहादुर की कमाई अब लाखों में गिर चुकी है। 20वें दिन सैम बहादुर ने बॉक्स ऑफिस पर 1।57 करोड़ का डोमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर बिजनेस किया था, लेकिन डंकी की रिलीज के बाद विक्की कौशल की सैम बहादुर का बिजनेस गिर गया है। सैकनलिक ।कॉम की रिपोर्ट्स के मुताबिक, गुरुवार को यानी कि 21वें दिन पर सैम बहादुर डोमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर महज 79 लाख रुपए की कमाई कर सकी है। हिंदी भाषा में मूवी का कलेक्शन 82.06 करोड़ तक पहुंचा है। विक्की कौशल और सान्या मल्होत्रा स्टारर सैम बहादुर की रफ्तार सिर्फ इंडिया में धीमी नहीं हुई है, बल्कि वर्ल्डवाइड भी इस मूवी का बिजनेस काफी गिरा है। कुछ दिनों पहले ही विक्की कौशल की मूवी 100 करोड़ के क्लब में शामिल हुई थी, लेकिन अब फिल्म की रफ्तार इतनी धीमी हो चुकी है कि वर्ल्डवाइड इसका कलेक्शन सिर्फ 109।1 करोड़ तक ही पहुंचा है। ओवरसीज मार्केट में फिल्म का बिजनेस 94।1 करोड़ तक पहुंचा है।

महाठग सुकेश ने जैकलीन को दी धमकी!

महाठग सुकेश चंद्रशेखर कथित तौर पर बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज के खिलाफ कुछ अनदेखे सबूतों को उजागर करने की धमकी दी है। जैकलीन ने हाल ही में दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कहा था कि सुकेश को उनके खिलाफ जानकारी को देने से रोकने का निर्देश दिया जाए। उन्होंने सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द करने की भी गुजारिश की थी। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, सुकेश ने जैकलीन का नाम लिए बगैर एक चिट्ठी लिखी है। इसमें उसने कहा है कि वह एक व्यक्ति को एक्सपोज यानी खुलासा करने वाला है। इसके लिए वह उस व्यक्ति के चैट्स, स्क्रीनशॉट्स और रिकॉर्डिंग्स को रिलीज करेगा। रिपोर्ट के अनुसार, सुकेश ने दावा किया कि उसने इस व्यक्ति के सोशल मीडिया अकाउंट की रीच बढ़ाने के लिए पेमेंट की थी, ताकि इस व्यक्ति को सोशल मीडिया पर अपने प्रमुख सहयोगी के खिलाफ बढ़त मिल सके। 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी सुकेश ने चिट्ठी में लिखा है, दुनिया को सच्चाई जानने की जरूरत है। असल सच्चाई। वहीं, सुकेश की चिट्ठियों को लेकर जैकलीन ने बुधवार को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट का रुख किया। उन्होंने मंडोली जेल के अधीक्षक और दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) को निर्देश देने की मांग की कि वे चंद्रशेखर को उनके बारे में कोई और चिट्ठी, बयान या मैसेज जारी करने की अनुमति न दें। याचिका में 15 अक्टूबर को लिखी गई चंद्रशेखर की चिट्ठी का हवाला देते हुए कहा गया है कि इसमें परेशान करने वाली बातें लिखी गई हैं। मीडिया ने भी इसे व्यापक रूप से छापा है। याचिका में आगे कहा गया, चंद्रशेखर जैकलीन से संपर्क स्थापित करने के मकसद के साथ गवाहों से छेड़छाड़ की कोशिश कर रहा है। उसका स्पष्ट रूप से मकसद है कि जैकलीन को मानसिक रूप से इस हद तक डरा दिया जाए कि वह अपराधी की सच्चाई को छिपाने के लिए मजबूर हो जाएं।

कहा- दुनिया को सच्चाई जानने की जरूरत, चैट्स-स्क्रीनशॉट करुंगा रिलीज

'शो टाइम' को लेकर उत्साहित हैं हाशमी

बॉलीवुड | मसाला

फिल्म जगत का काला चिट्ठा खोलने वाली सीरीज 'फेम गेम' के बाद करण जौहर की नई सीरीज 'शो टाइम' भी ऐसा ही कुछ करने जा रही है। इस सीरीज में वंशवाद से लेकर भाई भतीजावाद के चलते निशाने पर रहने वाली हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की कुछ रोचक व दिलचस्प कहानियां दिखाई जाएंगी। वेब सीरीज बार्ड ऑफ ब्लड के बाद अभिनेता इमरान हाशमी का ओटीटी प्लेटफार्म पर यह दूसरा प्रोजेक्ट होगा। इस शो को लेकर इमरान हाशमी काफी उत्साहित हैं। डिज्नी प्लस हॉटस्टार की नई सीरीज शो टाइम में अभिनेता इमरान हाशमी एक प्रभावशाली फिल्म निर्माता की भूमिका निभा रहे हैं। यह एक ऐसा शो है जिसमे बॉलीवुड के मूवर्स और शेकर्स की कहानियों और उनके गेम के टॉप पर बने रहने के उनके स्ट्रगल को दिखाया गया है। इमरान हाशमी नेपोटिज्म पर कटाक्ष करते हुए कहते हैं, एवरी आउटसाइडर वॉन्ट्स टू बी एन इनसाइडर। अभिनेता इमरान हाशमी ने इंडस्ट्री में बहुत लंबा वक्त बिताया है। वह कहते हैं, मैंने इंडस्ट्री में अच्छे और बुरे दोनों पहलू देखे हैं, इसलिए जब यह शो मेरे पास आया, तो मैंने इसे स्वीकार कर लिया। इसका हिस्सा बनने का अवसर और विभिन्न स्तरों पर इसके पहलुओं के साथ खुद को जोड़ सकता है, इसलिए शो के लिए हामी भरी। हमने हमेशा दर्शकों को बॉलीवुड के बंद दरवाजों के पीछे क्या चल रहा है, इसके बारे में अधिक जानने के लिए उत्सुक देखा है। बॉलीवुड के बंद दरवाजों के पीछे क्या चल रहा है, इसे जानने के लिए सभी लोग उत्सुक रहे हैं। इस शो के माध्यम से बॉलीवुड के पीछे की रंग बिरंगी दुनिया के अलावा बॉलीवुड के पर्दे के पीछे की उन कहानियों पर भी प्रकाश डाला जाएगा। बॉलीवुड में अक्सर नेपोटिज्म की चर्चा होती रहती हैं, जिसके बारे में आम जनता जानती हैं, लेकिन इसके अलावा बॉलीवुड की रंग बिरंगी दुनिया में और क्या क्या होता हैं, इस सीरीज के माध्यम से दर्शक जान सकेंगे। इस शो का निर्माण करण जौहर ने किया है। मिहिर देसाई और अर्चित कुमार के निर्देशन में बन रही इस सीरीज में इमरान हाशमी के अलावा महिमा मकवाना, मौनी रॉय, नसीरुद्दीन शाह, राजीव खंडेलवाल, श्रिया सरन और विजय राज की मुख्य भूमिकाएं हैं। यह सीरीज डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर अगले साल स्ट्रीम होगी।

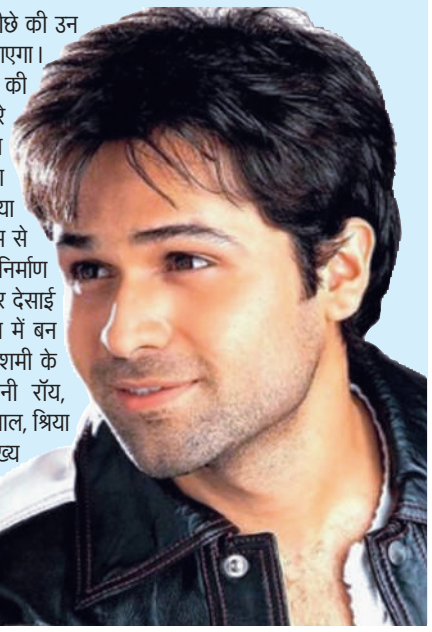

अजब-गजब | 7 धाराओं से बना है ये 'जादुई' झरना

देखते ही दूर हो जाती है लोगों की टेंशन

नॉर्वे का सेवन सिस्टर्स वॉटरफॉल एक प्राकृतिक आश्चर्य है, जो यहां गाइरेंजरफियॉर्ड में स्थित है। 7 अलग-अलग धाराओं से बना ये झरना बड़ा ही 'जादुई' है, क्योंकि इसकी सुंदरता देखते ही लोगों को ऐसी खुशी और एनर्जी मिलती है कि उनकी सारी टेंशन ही छूमंतर हो जाती है। इस झरने से एक दिलचस्प 'लव स्टोरी' भी जुड़ी है, जिसके बारे में आप शायद ही जानते होंगे! अब इस वॉटरफॉल का एक वीडियो वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर ये वीडियो @andriimal नाम के यूजर ने पोस्ट किया है, जिसमें आप अचंभित कर देने वाले इस झरने देख सकते हैं। 'सेवन सिस्टर्स' गाइरेंजरफियॉर्ड में सबसे अधिक फोटो खींचे गए झरनों में से एक है। norway.nordicvisitor.com की रिपोर्ट के अनुसार, सेवन सिस्टर्स वॉटरफॉल को इसका नाम इसकी 7 अलग-अलग धाराओं के कारण ही मिला है, जिनमें से सबसे ऊंची धारा 250 मीटर (820 फीट) की है। जब ये जलधाराओं फियॉर्ड में गिरती हैं, तो बड़ा ही मनमोहक दृश्य बनता है, जिसे देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। बता दें कि फियॉर्ड पानी का एक लंबा, संकीर्ण और गहरा निकाय होता है, जो अक्सर यू-आकार की घाटियों में पाया जाता है, जिनके दोनों और खड़ी चट्टानी दीवारें होती हैं। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि वसंत ऋतु में इस झरना को देखने का बेस्ट समय होता है,

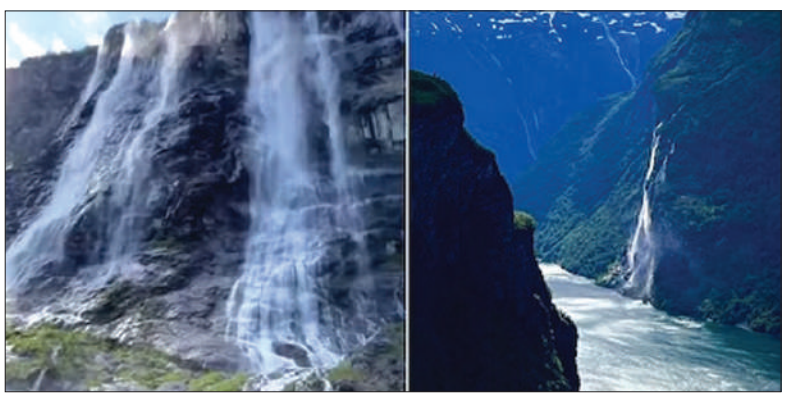

क्योंकि तब ये अपने सबसे खूबसूरत रूप में होता है। मार्च से लगभग जुलाई तक वहां पहाड़ों पर बर्फ पिघलने का समय होता है, जिसकी वजह से तेज बहाव वाली जलधाराएं बहती हैं और झरने अपने स्वाभाविक रूप में अधिक दिखाई देते हैं। इस दौरान झरने की सुंदरता देखते ही बनती है। नॉर्वे का ये झरना अपनी सुंदरता और शांत वातावरण के लिए दुनियाभर में फेमस है। Fjord Norway के अनुसार, इस झरने को 'सेवन सिस्टर्स' कहा जाता है, क्योंकि दूर से देखने पर ये सात महिलाओं के बालों जैसे लगते हैं। सेवन सिस्टर्स वॉटरफॉल के मनमोहक दृश्यों को आनंद लेने के लिए हर साल बड़ी संख्या में टूरिस्ट्स यहां आते हैं। अधिकांश लोग नाव से झरने का नजारा देखते हैं। visitnorway.com की रिपोर्ट के मुताबिक, ये झरना देखने में तो सुंदर है, लेकिन इसके साथ एक दिलचस्प 'लव स्टोरी' भी जुड़ी हुई है। स्थानीय किंवदंती के अनुसार, फियॉर्ड के एक साइड पर गिरने वाले इस झरने की 7 धाराएं 'सात बहनों' का प्रतीक हैं, जो सभी अविवाहित थीं और पहाड़ पर डांस करती थीं। फियॉर्ड के दूसरी ओर फायरेन झरना है, जो एक शख्स का प्रतिनिधित्व करता है, उसने इन 'बहनों' को लुभाने के कई असफल कोशिश की, इसलिए उस (झरने) को 'द सुइटर ' भी कहा जाता है, जिसका अर्थ 'प्रेमी' होता है।

यहां कोल्डड्रिंक खरीदना है आसान, पर पीना है नामुमकिन

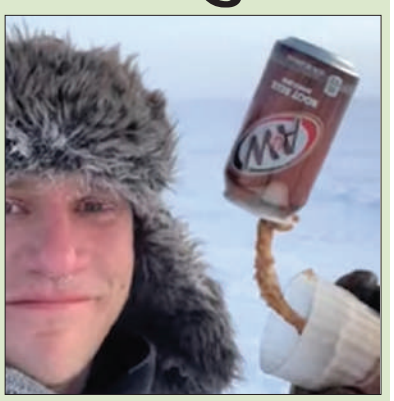

इस समय भारत के ज्यादातर इलाके में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। कई जगहों पर दिसंबर-जनवरी में ऐसी ठंड पड़ती है कि पीने का पानी भी जम जाता है। लेकिन दुनिया के कुछ ऐसे इलाके हैं, जहां सालभर ही ठंड पड़ती है। इसमें नॉर्थ पोल और साउथ पोल शामिल हैं। इन दो इलाकों में सूरज की रोशनी नहीं पहुंचती है। ऐसे में यहां का तापमान सालभर माइनस में होता है। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक शख्स ने साउथ पोल से एक वीडियो बनाकर शेयर किया। इस वीडियो में शख्स ने बताया कि साउथ पोल में कोल्डड्रिंक पीना असंभव है। जब उसने ये बात कही तो कई लोगों को इसे मजाक समझा। लेकिन थोड़ी ही देर बाद उसने अपनी कही बात का सबूत भी पेश कर दिया। सबूत को देखते ही लोगों को समझ में आ गया कि वाकई शख्स की बता सच है। वायरल हो रहे वीडियो में शख्स ने साउथ पोल में कोल्डड्रिंक ना पी पाने की बात कही। इसके सबूत के तौर पर उसने कोल्डड्रिंक की कैन दिखाई। इस कैन से शख्स ने गिलास में कोल्डड्रिंक डालने की कोशिश की। लेकिन साउथ पोल में इतनी ज्यादा ठंड होती है कि कैन से गिलास में जाते-जाते ही सारी कोल्डड्रिंक जम गई। इसका वीडियो शख्स ने सोशल मीडिया पर शेयर किया। इसे देखने के बाद लोग हैरान रह गए। जिस तरह से कोल्डड्रिंक जम गया उसे देखकर सभी शॉक हो गए। कई लोगों ने कमेंट में शख्स से पूछा कि क्या साउथ पोल में पेशाब करते हुए भी जम जाता है? वहीं एक यूजर ने क्यूरोसिटी जाहिर करते हुए लिखा कि कैन में कोल्डड्रिंक कैसे नहीं जमी थी? एक अन्य यूजर ने लिखा कि वहां का तापमान -62 डिग्री सेल्शियस होता है। ऐसे में चीजें काफी जल्दी जम जाती है।

दुष्कर्म के आरोपी भाजपा एमएलए की गई विधायकी

विधानसभा सचिवालय ने दुद्धी सीट को घोषित किया रिक्त, रेप मामले में 25 साल की सजा और 10 लाख का लगा जुर्माना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सोनभद्र के दुद्धी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक रामदुलार को दुष्कर्म के मामले में 25 वर्ष के कारावास की सजा होने के बाद अब भाजपा विधायक की विधायकी भी चली गई है। विधानसभा सचिवालय ने दुद्धी सीट को रिक्त घोषित कर दिया है।

बता दें कि रामदुलार को 15 दिसंबर को सजा सुनाई गई थी। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के तहत दो वर्ष से अधिक की सजा होते ही रामदुलार की सदस्यता स्वत: समाप्त हो गई थी। विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप दुबे ने 15 दिसंबर से पद रिक्त घोषित कर दिया है।

विधानसभा की ओर से सीट रिक्त घोषित करने की सूचना मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा को भी भेज दी है। अब निर्वाचन आयोग की ओर से दुद्धी सीट पर उप चुनाव की तारीख घोषित की जाएगी।

2014 में म्योरपुर थाने में दर्ज हुआ था मुकदमा

नवंबर 2014 में म्योरपुर थाने में नाबालिग से दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज हुआ था। इसमें रामदुलार गोंड को मुख्य आरोपी बनाया गया था। 2022 के विधानसभा चुनाव में रामदुलार को भाजपा से टिकट मिला और वह जीत गया, फिर इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर दुष्कर्म मामले की सुनवाई एमएपी-एमएलए कोर्ट में शुरू हुई। एमपी-एमएलए कोर्ट के प्रभारी और अपर जिला जज एहसानुल्लाह खां ने मामले की सुनवाई करते हुए गत 12 दिसंबर को रामदुलार गोंड को दोषी करार दिया था। साथ ही न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया था। अदालत ने आदेश के लिए 15 दिसंबर की तिथि तय की थी। 15 दिसंबर को दोपहर एक बजे मामले की सुनवाई हुई और अदालत ने कुछ देर में आदेश सुना दिया। जब आदेश सुनाया गया, तब दोषी विधायक को जेल से अदालत लाया गया था।

15 दिसंबर को सुनाई गई सजा

नाबालिग से दुष्कर्म में सोनभद्र की दुद्धी विधानसभा सीट से भाजपा विधायक रामदुलार गोंड को 15 दिसंबर को 25 वर्ष की सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई है। साथ ही दस लाख रुपये जुर्माना लगाया गया। जुर्माना न देने पर दोषी विधायक को तीन वर्ष की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। इसी तरह दुष्कर्म पीड़िता को धमकाने के मामले में दो वर्ष की सजा सुनाई गई। पांच हजार रुपये जुर्माना ठोंका गया है। जुर्माना न देने पर छह महीने की अतिरिक्त कारावास की सजा सुनाई गई है। जुर्माने की पूरी राशि दुष्कर्म पीड़िता को दी जाएगी।

बजट का लगभग 25 फीसदी शिक्षा को दे रही दिल्ली सरकार : आतिशी

डीपीएसआरयू के दीक्षांत समारोह में पहुंची उच्च शिक्षा मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली फार्मास्युटीकल साइंसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी (डीपीएसआरयू) में छठे दीक्षांत समारोह में 605 छात्रों को डिग्री दी गई। साथ ही उच्च शिक्षा मंत्री आतिशी ने स्नातक के छात्रों को सम्मानित किया। इस मौके पर उच्च शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि इस इंस्टीट्यूट को देश के पहले फार्मास्युटिकल यूनिवर्सिटी के रूप में बदला है। इसका छठा दीक्षांत समारोह मना रहे हैं, ये गर्व की बात है। सरकार पिछले 8 साल से अपने बजट का लगभग 25 फीसदी शिक्षा को दे रही है।

आतिशी ने कहा कि शिक्षा खर्च नहीं है, ये देश के बेहतर भविष्य के लिए एक निवेश है। शिक्षा के क्षेत्र में निवेश कर युवाओं को सशक्त बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह ऐसी यूनिवर्सिटी है, जो सिर्फ अपने कैंपस तक सीमित नहीं रही है। इसकी एक पहल दिल्ली की योगशाला ने योग को घर-घर तक पहुंचाने का काम किया है। उम्मीद है कि दिल्ली योगशाला कार्यक्रम की ये यूनिवर्सिटी दोबारा जल्द शुरुआत करेगी।

आयुर्वेद व योग को आगे ले जाने में करेगी मदद

आतिशी ने कहा कि न केवल योग, बल्कि इंडियन मेडिकल सिस्टम चाहे वह आयुर्वेद, यूनानी, योग हो, उसे डीपीएसआरयू आगे ले जाने का काम भी करेगी। उन्होंने कहा कि देश सदियों से मेडिसिन के क्षेत्र में वैश्विक लीडर के रूप में रहा है। जब दुनिया में किसी ने मेडिसिन और सर्जरी का नाम नहीं सुना था, तब चरक जैसे सर्जन भारत में पैदा हुए और मेडिसिन और सर्जरी को नए आयाम दिए।

फिर सामने आया यूपी में जंगल राज

देर रात घर में घुसकर फौजी की पत्नी के जेवर लूटे, मारी गोली

- **सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र के विजयनगर नीलमथा सेक्टर-ए की घटना**
- **आरोपी की तलाश कर रही पुलिस**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक बार फिर राज्य की योगी सरकार की बेहतर कानून व्यवस्था की पोल खुली है। एक बार फिर प्रदेश में अपराध का बड़ा मामला सामने आया है। सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र के विजयनगर नीलमथा सेक्टर-ए में बृहस्पतिवार देर रात असलहे से लैस एक बदमाश ने सेना के जवान के घर पर धावा बोल दिया। घर पर मौजूद अकेली जवान की पत्नी से जेवर लूटने के बाद गोली मारकर भाग निकला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल महिला को कमांड अस्पताल में भर्ती कराया। सीसीटीवी फुटेज व सर्विलांस की मदद से पुलिस तफ्तीश कर रही है।

नीलमथा सेक्टर-ए निवासी मोनू चौबे सेना में जवान हैं। अभी उनकी तैनाती कमांड अस्पताल में है। मोनू के पिता अजय कुमार चौबे भी सेना से रिटायर्ड हैं। वह सुरक्षाकर्मी की नौकरी करते हैं। दोनों पिता-पुत्र बृहस्पतिवार को ड्यूटी पर थे। घर पर मोनू की पत्नी अंशु कुमारी अकेली थीं। रात करीब पौने तीन बजे एक बदमाश घर में घुस गया। अंशु के मुताबिक सोते वक्त ही बदमाश ने उनकी कनपटी पर तमंचा सटा दिया। नींद खुली तो वह दहशत में आ गईं। उनके पास के सभी जेवरात उतरवाए। जेवरात लूटने के बाद गोली मारी और भाग गया।

किसी करीबी के होने की आशंका

जिस तरह से बदमाश छत के रास्ते घुसा, फिर सीधे अंशु के बेडरूम में पहुंचा और जेवरात लूटे, इससे ऐसा लगता है कि उसको घर के बारे में पूरी जानकारी थी। शायद उसको पता था कि रात में और कोई शख्स वहां नहीं है। अंशु अकेली है। ये भी पता था कि घर में कहां से जाया जा सकता है। इन वजहों से अंदेशा है कि कोई करीबी या परिचित का इसमें हाथ है। बाकी पुलिस की जांच में ये तथ्य साफ हो सकेगा। बदमाश के हुलिये के बारे में अंशु सही जानकारी नहीं दे सकीं। अंशु के मुताबिक जो जेवर उन्होंने पहने थे, वही बदमाश ने उतरवाए। सवाल है कि अगर बदमाश का मकसद लूट ही था, तो घर से और नकदी-जेवरात लूटने का प्रयास क्यों नहीं किया? एडीसीपी साउथ शशांक सिंह का कहना है कि एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

विरोध करने पर मारी गोली

जेवर लूटने के बाद बदमाश ने अंशु से कहा कि घर का मुख्य गेट खोलें। अंशु ने उसके कहने पर तुरंत गेट खोला। उसके बाद बदमाश ने उनसे कहा कि वह कमरे में जाकर लेट जाएं। अंशु गईं और कंबल ओढ़कर लेट गईं। इसी दौरान उसने उनको गोली मारी। गोली बाईं तरफ अंडर आर्म में जाकर धंस गई। पुलिस ने इलाके में लगे करीब आधा दर्जन सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। अंशु के पीछे वाले घर में लगे एक कैमरे से अहम सुराग मिला है। इसमें एक बदमाश बगल के प्लॉट से उनके घर की छत पर रात 2.45 बजे चढ़ता दिखाई दिया है। चूंकि वह वापस मुख्य गेट से गया है, इसलिए वह उस कैमरे में जाते हुए कैद नहीं हुआ।

न्यूजीलैंड पर बांग्लादेश की ऐतिहासिक जीत

- **पहली बार वनडे इतिहास में कीवी टीम को उन्हीं के घर में हराया**
- **सिर्फ 98 रन पर सिमटी न्यूजीलैंड, 9 विकेट से जीता बांग्लादेश**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नैपियर। बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने इतिहास रच दिया है। बांग्लादेश ने पहली बार न्यूजीलैंड को उन्हीं की सरजमीं पर 9 विकेट से वनडे मुकाबले में करारी शिकस्त दी है। दोनों टीमों के बीच खेली गई तीन मैचों की वनडे सीरीज के तीसरे मुकाबले में बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड को 9 विकेट से हरा दिया। क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ कि जब बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड को उन्हीं के घर पर एकदिवसीय मुकाबला हराया हो। लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश ने 16वें ओवर में मुकाबला अपने नाम कर लिया।

नेपियर के मैकलीन पार्क में खेले गए मुकाबले में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर बॉलिंग का फैसला किया, जो उनके लिए बिल्कुल सटीक साबित हुआ। पहले बैटिंग के लिए उतरी न्यूजीलैंड को बांग्लादेशी गेंदबाजों ने 31.4 ओवर में सिर्फ 98 रनों पर ही ऑलआउट कर दिया। न्यूज़ीलैंड के लिए ओपनर विल यंग ने सबसे बड़ी 26 रनों की पारी खेली। यंग के अलावा सिर्फ तीन और बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार कर सके। बांग्लादेशी गेंदबाजों के आगे न्यूजीलैंड के बल्लेबाज पूरी तरह बेबस दिखे। बांग्लादेश के लिए शोरिफुल इस्लाम, तंजीम हसन शाकिब और सौम्या सरकार ने 3-3 विकेट चटकाए। इसके अलावा मुस्तिफिजुर ने 1 विकेट अपने खाते में डाला।

सिर्फ 15.1 ओवर में हासिल कर लिया लक्ष्य

99 रनों से छोटे से लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश ने 15.1 ओवर में सिर्फ 1 विकेट गंवाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। बांग्लादेश के लिए ओपनिंग पर उतरे सौम्या सरकार और अनामुल हक पहले विकेट के लिए 15* रनों की साझेदारी कर सके थे कि सौम्या सरकार रिटायर हो गए। फिर बैटिंग के लिए उतरे नजमुल हुसैन शंटो ने अनामुल हक के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 69 (50 गेंद) पार्टनरशिप की, जो 13वें ओवर की आखिरी गेंद पर अनामुल के विकेट से टूटी। फिर चौथे नंबर पर बैटिंग पर आए लिट्टन दास ने 1 और नजमुल हुसैन शंटो ने 51 रनों पर नाबाद रहते हुए टीम को जीत दिलाई।

सीरीज पर न्यूजीलैंड ने किया कब्जा

तीन मैचों की वनडे सीरीज में न्यूजीलैंड ने 2-1 से जीत दर्ज की। मेजबान न्यूजीलैंड ने पहले दोनों मुकाबले जीत सीरीज में अजेय बढ़त बना ली थी, जिसके बाद उन्होंने तीसरा मुकाबला गंवाया। हालांकि, तीसरे मुकाबले की जीत बांग्लादेश के लिए ऐतिहासिक रही। पहले वनडे में न्यूजीलैंड ने डकवर्थ लुईस मैथेड के तहत 44 रनों से जीत हासिल की थी। फिर दूसरे मुकाबले में कीवी टीम ने बांग्लादेश को 7 विकेट से हराया था।

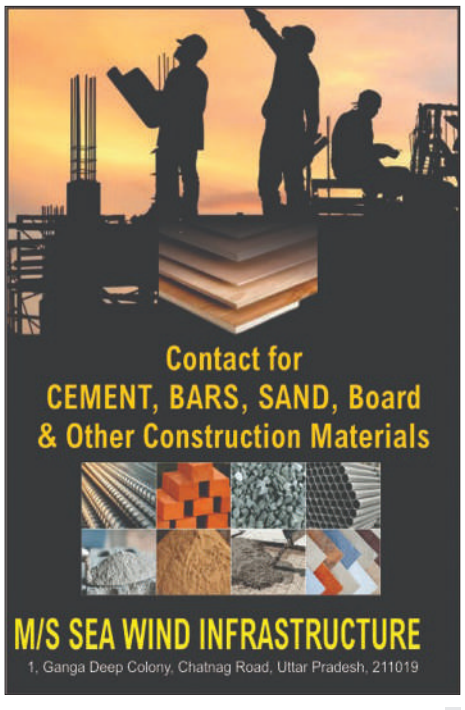

क्रिसमस की शुभकामनाएं देने के लिए ईडी ने बुलाया होगा: कार्ति

ईडी के समन पर पूछताछ होने पर बोले कांग्रेस सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम आज पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश हुए। इससे पहले, ईडी कार्यालय के बाहर उन्होंने कहा कि ईडी का मुझे बुलाना कोई नई बात नहीं है। यह रोजाना का हो गया है। वही पुराने सवाल-जवाब होते हैं। अभी क्रिसमस का समय है। सिर्फ शुभकामनाओं का आदान-प्रदान करने के लिए बुलाया गया होगा। बता दें कि 2011 में 263 चीनी नागरिकों को वीजा जारी करने में कथित अनियमितताओं से जुड़ी धनशोधन की जांच में पूछताछ के लिए ईडी ने समन जारी किया था। पहले भी इस मामले में कई बार पूछताछ की जा चुकी है।

कार्ति ने कहा कि ईडी में यह मेरा 20वां दिन है। यह एक नियमित मामला बनता जा रहा है। वे वही बातें पूछते हैं और मैं वही जवाब देता हूं। यह एक निष्क्रिय और बंद मामला है। सीबीआई इस मामले को बंद कर चुकी है, लेकिन वे इसे फिर से खोलना चाहते हैं और मुझसे कुछ पूछना चाहते हैं।

मेरे वकील उन्हें 100 पन्नों का दे चुके हैं जवाब

कार्ति ने कहा कि मेरे वकील पहले ही बड़े पैमाने पर जवाब दे चुके हैं। उन्हें 100 पन्नों का जवाब दे चुके हैं। मैं वही दोहराऊंगा। यह क्रिसमस का समय है। इसलिए शायद उन्होंने मुझे याद किया है और मुझे फिर से बुलाया है। क्रिसमस की शुभकामनाओं का आदान-प्रदान करने के लिए बुलाया गया हैं।

ये है पूरा मामला

सीबीआई के आरोपों के अनुसार, बिजली परियोजना स्थापित करने का काम एक चीनी कंपनी द्वारा किया जा रहा था और यह निर्धारित समय से पीछे चल रहा था। सीबीआई की प्राथमिकी के अनुसार टीएसपीएल के एक अधिकारी ने 263 चीनी कामगारों के लिए परियोजना वीजा फिर से जारी करने की मांग की थी, जिसके लिए कथित तौर पर 50 लाख रुपये का आदान-प्रदान किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई की प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि मखारिया ने अपने करीबी सहयोगी भास्कररमन के जरिए कार्ति से संपर्क किया।

पहलवानों के विरोध पर बोले बृजभूषण-

मैं क्या फांसी पर लटक जाऊं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय कुश्ती संघ के चुनाव में बृजभूषण शरण सिंह के करीबी संजय सिंह को मिली जीत के बाद पहलवानों ने निराशा जाहिर करते हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इसके बाद बृजभूषण पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाने वाली रियो ओलंपिक पदक विजेता पहलवान साक्षी मलिक ने कुश्ती से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया, तो वहीं बजरंग पूनिया ने अपना पद्म पुरस्कार प्रधानमंत्री आवास के बाहर फुटपाथ पर छोड़कर चले गए। अब पहलवानों के विरोध को लेकर बृजभूषण शरण सिंह की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। बृजभूषण ने पहलवानों पर निशाना साधते हुए उनके विरोध को राजनीति से प्रेरित बताया है।

बृजभूषण सिंह ने कहा कि कांग्रेस के गोद में बैठे इन पहलवानों के साथ देश का एक भी पहलवान नहीं अब उनके विरोध पर क्या मैं फांसी पर लटक जाऊं? उन्होंने कहा, देखिए कुश्ती को एक ग्रहण लगा था। 11 महीने और तीन दिनों तक यह ग्रहण रहा। चुनाव हुआ और पुरानी फेडरेशन के समर्थित प्रत्याशी यानि हमारे समर्थित प्रत्याशी संजय सिंह उर्फ बबलू को जीत मिली है। जीत भी 40 और 7 के अंतर से हुई जो कुश्ती का काम है उसको अब आगे बढ़ाना हमारा लक्ष्य है।

भाजपा सांसद ने विरोध को बताया राजनीतिक

कांग्रेस की गोद में जाकर बैठे हैं पहलवान

यह पहलवान जो 12 महीने से हमें गाली देने का काम कर रहे हैं और आज भी गाली दे रहे हैं उनको गाली देने का हक किसने दिया है। आज वह चुनाव पर सवाल खड़ा कर रहे हैं, सरकार पर सवाल खड़ा कर रहे हैं। कांग्रेस के गोद में जाकर बैठे हैं, आज देश का कोई भी रेसलर उनके साथ नहीं है।

फोटो:4 पीएम

जयंती पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती (किसान सम्मान दिवस-2023) पर आयोजित कृषकों, कृषि उद्यमियों, FPO एवं कृषि वैज्ञानिकों के सम्मान समारोह में सम्मिलित हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

छह अपर पुलिस अधीक्षकों का हुआ तबादला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। डीजीपी मुख्यालय ने बीती रात छह अपर पुलिस अधीक्षक का तबादला कर दिया। अयोध्या में यातायात और प्रोटोकॉल का जिम्मा संभाल रहे राजेंद्र कुमार गौतम को डीजीपी मुख्यालय का जनसंपर्क अधिकारी बनाया गया है। वहीं, जनसंपर्क अधिकारी अभय नाथ त्रिपाठी का भर्ती बोर्ड के लिए पूर्व में हुआ तबादला आदेश निरस्त करते हुए अब इटावा में एएसपी सिटी नियुक्त करने का निर्णय लिया गया है।

वाराणसी में एएसपी एलआईयू अयोध्या प्रसाद सिंह को अयोध्या का एएसपी ट्रैफिक एवं प्रोटोकॉल बनाया गया है। इटावा में तैनात कपिल देव सिंह को पीएसी मुख्यालय भेजा गया है। सीबीसीआईडी में तैनात निवेश कटियार को गोरखपुर का एएसपी क्राइम बनाया गया है। वहीं मुख्यमंत्री की सुरक्षा में तैनात असित श्रीवास्तव का गाजीपुर के लिए पूर्व में हुआ तबादला आदेश निरस्त कर दिया गया है।

हिम्मत है तो पीएम मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ें ममता: अग्निमित्रा पॉल

भाजपा विधायक ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री को दी चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल से बीजेपी विधायक अग्निमित्रा पॉल ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ने की चुनौती दी है। अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि ममता बनर्जी में अगर हिम्मत हो तो वाराणसी से प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ चुनावी मैदान में उतरें। इतना ही नहीं बीजेपी विधायक ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का अब पश्चिम बंगाल में कोई अस्तित्व नहीं बचा है।

पॉल ने कहा कि हम लोग देख रहे हैं कि गठबंधन का सीट शेयरिंग फॉर्मूला कैसा होता है? ये पार्टियां कभी समझौता नहीं कर सकती हैं। इनकी विचारधारा अलग है। टीएमसी की विचारधारा है, चोरी करना, परिवारवाद को बढ़ाना। इनके बीच में एक ही बात कॉमन हैं, वो है चोरी करना।

हिजाब को लेकर फिर गरमाई सियासत

कर्नाटक में सीएम सिद्धारमैया ने स्कूलों में हिजाब पहनने पर लगे प्रतिबंध को हटाया

भाजपा ने फैसले को बताया तुष्टिकरण की राजनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलूरू। कर्नाटक में एक बार फिर स्कूलों में हिजाब पहनने को लेकर सियासत शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कल स्कूलों में हिजाब पहनने पर लगे प्रतिबंध को हटाने का ऐलान किया। इस ऐलान के करते ही इस मामले पर राजनीति शुरू हो गई है। एकतरफ जहां भाजपा इस फैसले की आलोचना कर रही है, तो वहीं दूसरी ओर कांग्रेस ने इसे सही कदम बताया है। इसको लेकर दोनों ही दलों की ओर से अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दी जा रही हैं।

कर्नाटक में स्कूलों में हिजाब पहनने पर लगे प्रतिबंध हटाए जाने पर राज्य के प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा ने कहा कि इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। राज्य की शिक्षा नीति में संस्कृति, अध्ययन और अन्य चीजें शामिल हैं।

सरकार जो कर रही वो कानून व संविधान के अनुसार: प्रियांक

कर्नाटक सरकार के मंत्री प्रियांक खरगे का कहना है कि राज्य सरकार जो कुछ भी कर रही है वह कानून और संविधान के ढांचे के अनुसार है। उन्होंने कहा कि भाजपा के पास करने के लिए कोई काम नहीं है, उन्हें पहले अपने घर को संभालना चाहिए।

लोगों को दी गई है आजादी: जयंत

आरएलडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी का इस मामले पर कहना है कि संवैधानिक दृष्टिकोण से यह सही फैसला है। लोगों को आजादी दी गई है। अगर भोजन और पहनावे पर इस तरह के प्रतिबंध है तो इससे आपातकाल जैसी स्थिति पैदा हो जाएगी।

ये फूट डालो-राज करो की प्रथा की तरह : भाजपा

वहीं दूसरी ओर भाजपा इस मामले को लेकर लगातार कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार पर हमलावर है। कर्नाटक भाजपा के अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब की अनुमति देने के फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कम से कम शिक्षण संस्थानों को गंदी राजनीति से बचा सकते थे। अल्पसंख्यक या मुस्लिम समुदाय के किसी भी बच्चे ने हिजाब की मांग नहीं की है, लेकिन सीएम का दावा है कि वह स्कूलों और शिक्षण संस्थानों में हिजाब की अनुमति देंगे। यह सीएम की मंशा को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। यह सिर्फ तुष्टिकरण की राजनीति है और यह पूरी तरह से फूट डालो और राज करो की प्रथा है जिसका पालन कांग्रेस पार्टी करती है। हम इस कदम की कड़ी निंदा करते हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।